संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 96
पृष्ठ 8
मंगलवार
24 दिसम्बर 2024
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सीने में जलन एसिडिटी....   विचार- गिरता रूपया और ....   खेल- मेलबर्न में जब पिछली....

किसानों की समृद्धि के लिये लगातार हो रहे हैं काम : योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि देश की समृद्धि के लिए अन्नदाता किसान को समृद्ध हो जरुरी है और इसे ध्यान में रखते हुये डबल इंजन की सरकार लगातार काम कर रही है। पूर्व प्रधानमंत्री और किसानो के मसीहा माने जाने वाले चौधरी चरण सिंह की जयंती पर उन्हे श्रद्धाजंलि अर्पित करते हुए योगी ने कहा "चौधरी साहब कहा करते थे कि किसान गरीब होगा तो भारत अमीर नहीं हो सकता। भारत को समृद्ध बनाने के लिए अन्नदाता किसान को समृद्ध बनाना पड़ेगा। इसे ध्यान में रखकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार द्वारा किसानों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य हो रहे हैं। किसानों के लिए 2014 से जो प्रयास प्रारंभ हुआ, दुनिया उसे मॉडल के रूप में ले रही है। मुख्यमंत्री 'भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की 122वीं जयंती'किसान सम्मान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने विधानसभा स्थित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद मुख्यमंत्री कृषक उपहार योजना के अंतर्गत 11कृषकों को ट्रैक्टर की चाबी दी और हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद किसानों के मुद्दों को लेकर चौधरी चरण सिंह का कांग्रेस के साथ मतभेद हुआ था, लेकिन श्री मोदी ने पहली बार किसानों को भारत के राजनीतिक एजेंडे व सरकार की प्राथमिकताा बनाने का कार्य किया। स्वॉयल हेल्थ कॉर्ड, उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध कराने, खेती को तकनीक से जोड़ने, कृषक दुर्घटना बीमा योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कृषि सिंचाई योजना, किसान सम्मान निधि आदि योजनाओं से किसानों की उन्नति के लिए कार्य किए जा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि 2014 में पीएम ने कहा था कि हमें किसानों की आमदनी को दोगुना करना है। प्रदेश में 1996 से 2017 तक (22 वर्ष) में कुल 95 हजार करोड़ रुपये गन्ना किसानों के खाते में गया था, लेकिन 2017 से अब तक 2 लाख 61 हजार करोड़ की राशि डीबीटी के माध्यम से भेजा गया है। पीएम मोदी का जोर है कि लागत को कम करना व उत्पादन को बढ़ाना है और इसी के माध्यम से किसान को समृद्ध व खुशहाल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने साढ़े सात वर्ष में 23 लाख हेक्टेयर भूमि को अतिरिक्त सिंचाई की सुविधा दी। 14 लाख निजी नलकूपों को प्रदेश सरकार द्वारा फ्री में विद्युत उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके एवज में दो से ढाई हजार करोड़ रुपये प्रतिवर्ष सरकार अपने पास से पैसा दे रही है। पहले से लगे ट्यूबवेल को सोलर पैनल से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। किसान अपनी आमदनी बढ़ा सकें, इसके लिए भी केंद्र व प्रदेश सरकार की तरफ से कई पहल की गई है। सीएम योगी ने सम्मानित होने वाले किसानों के कार्यों की तारीफ की और कहा कि इन किसानों का पुरुषार्थ प्रेरणादायी है। खेती घाटे का सौदा नहीं है, बल्कि ईमानदारी से कार्य करने पर इसके सुखद परिणाम आएंगे। सीएम ने एक हेक्टेयर में उच्चतम फसल उगाने वाले सफल किसानों की कहानी बताई। गोरखपुर के किसान श्याम दुलारे यादव ने एक हेक्टेयर खेती में 79 कुंतल गेहूं, रायबरेली के फूलचंद ने 44.12 कुंतल का उत्पादन किया है। जालौन के हेमंत कुमार ने 45 कुंतल मटर, सिंगार सिंह (पीलीभीत) ने 28.40 कुंतल, राजीव कुमार (औरैया) ने 44.40 कुंतल सरसो, नंदलाल (पीलीभीत) ने 90.20 कुंतल धान, श्रीरामबचन (बहराइच) ने एक हेक्टेयर में 80.64 कुंतल मक्का, श्रीरामलगन (आजमगढ़) ने 28.40 कुंतल उड़द, मथुरा के महेश चंद ने 32.20 कुंतल उत्पादन किया है। चरण सिंह (फिरोजाबाद) ने 13 कुंतल तिल, काशी प्रसाद (जालौन) ने 13 कुंतल का उत्पादन किया है। उन्होंने उद्यमिता की तरफ कदम बढ़ाने वाले किसानों को बधाई दी और कृषि विभाग से कहा कि इनकी पद्धति को कृषि विज्ञान केंद्रों तक पहुंचाइए। इनके कार्यों को जानने का अवसर अन्य किसानों को मिलना चाहिए।

मोदी ने रोजगार मेले में 71 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र बांटे

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से रोजगार मेले में 71 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किये और कहा कि सरकार की नीतियों तथा निर्णयों के कारण ग्रामीण भारत में भी रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। श्री मोदी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश के हजारों युवाओं के लिए एक नई शुरुआत है। उन्होंने कहा , " आपके वर्षों के सपने पूरे हुए हैं, वर्षों की मेहनत रंग लाई है। 2024 का यह जाने वाला वर्ष आपके लिए नई खुशियां लेकर आए। मैं आप सभी को और आपके परिवारों को हार्दिक बधाई देता हूं।" प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि सरकार रोजगार मेलों जैसी पहलों के माध्यम से भारत की युवा प्रतिभाओं के पूर्ण उपयोग को प्राथमिकता दे रही है। पिछले 10 वर्षों में, विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में सरकारी नौकरियों के लिए एक ठोस प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ वर्ष में लगभग 10 लाख स्थायी सरकारी नौकरियां दी गई हैं और यह एक रिकॉर्ड है। ये नौकरियां पूरी पारदर्शिता के साथ दी जा रही हैं और नए भर्ती लोग समर्पण और ईमानदारी के साथ देश की सेवा कर रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि किसी देश का विकास उसके युवाओं की कड़ी मेहनत, क्षमता और नेतृत्व पर निर्भर करता है। भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए प्रतिबद्ध है क्योंकि देश की नीतियां और निर्णय अपने प्रतिभाशाली युवाओं को सशक्त बनाने पर केंद्रित हैं। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड–अप इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी पहलों ने युवाओं को सबसे आगे रखा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। उन्होंने कहा, " आज, भारतीय युवा नए आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। वे हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। आज स्टार्टअप प्रारंभ करने वाले युवा उद्यमियों को एक मजबूत समर्थन प्रणाली का लाभ मिलता है। इसी तरह, खेलों में करियर बनाने वाले युवाओं को विश्वास है कि वे असफल नहीं होंगे क्योंकि अब उन्हें आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं और टूर्नामेंटों का समर्थन मिल रहा है।" उन्होंने कहा कि देश विभिन्न क्षेत्रों में बदलाव के दौर से गुजर रहा है, मोबाइल विनिर्माण के क्षेत्र में भारत दूसरा सबसे बड़ा देश बन चुका है।

आशा है कि किसानों से किए वादों को पूरा करेगी सरकार : खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को किसानों के साथ अब और "अन्याय" नहीं करना चाहिए और उनसे किए वादे को पूरा करना चाहिए। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "किसान ही हिन्दुस्तान है, देश का अभिमान है। सभी किसान बहन–भाइयों को, खेत–मज़दूरों को किसान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। देश के किसानों के लिए संघर्षरत रहे, भूतपूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी की जयंती पर उन्हें सादर नमन।" उन्होंने कहा, "आशा है कि मोदी सरकार अपनी ज़िद और किसान–विरोधी नीतियों से हमारे अन्नदाता किसानों के प्रति और अन्याय न करें और अपने पुराने वादों पर अमल करें।

ठाणे में अवैध रूप से रहने के आरोप में आठ बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में अवैध रूप से रहने के आरोप में पुलिस ने एक महिला समेत आठ बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि एक गुप्त सूचना तथा शिकायत के आधार पर शनिवार और रविवार को भिवंडी शहर के काल्हेर और कोनगांव में छापेमारी की गई। इन आठों के पास भारत में रहने के लिए कोई वैध दस्तावेज नहीं थे। पुलिस ने बताया कि इनमें से तीन कबाड़ बेचने का, दो मजदूर के तौर, एक राजमिस्त्री के तौर पर और एक अन्य प्लंबर के तौर पर काम करता है। अधिकारी ने बताया कि सभी के खिलाफ विदेशी नागरिक अधिनियम तथा भारतीय पासपोर्ट अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

परभणी हिंसा: राहुल गांधी मृतक सोमनाथ के परिवार से मिले, बोले-

ये100फीसदी हिरासत में मौत

● सीएम फडणवीस ने विधानसभा में झूठ बोला

मुंबई, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को सोमनाथ सूर्यवंशी के परिवार से मुलाकात की, जिनकी इस महीने की शुरुआत में महाराष्ट्र के परभणी शहर में हिंसा के बाद न्यायिक हिरासत में मौत हो गई थी। राहुल ने कहा कि मैं उनके परिवार और उन लोगों से मिला हूं जो मारे गए और पीटे गए। उन्होंने मुझे पोस्टमार्टम रिपोर्ट, वीडियो, तस्वीरें दिखाईं। उन्होंने दावा किया कि यह 100 फीसदी हिरासत में मौत है। उनकी हत्या हुई है और मुख्यमंत्री ने पुलिस को संदेश देने के लिए विधानसभा में झूठ बोला। राहुल ने आगे कहा कि उनके जवान को इसलिए मार दिया गया क्योंकि वह दलित था और संविधान की रक्षा कर रहा था। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आरएसएस की विचारधारा संविधान को नष्ट करने की है। हम चाहते हैं कि यह मामला तुरंत सुलझे और जिन लोगों ने ऐसा किया है उन्हें सजा मिले। कोई राजनीति नहीं की जा रही है। राहुल ने आरोप लगाया कि विचारधारा जिम्मेदार है, क्योंकि मुख्यमंत्री ने यह बयान दिया है इसलिए मुख्यमंत्री जिम्मेदार हैं, जिन्होंने उन्हें मारा है वे जिम्मेदार हैं और जल्द से जल्द कार्रवाई होनी चाहिए। परभणी में 10 दिसंबर की शाम को मराठवाड़ा क्षेत्र में स्थित शहर के रेलवे स्टेशन के बाहर डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा के पास संविधान की कांच से बंद प्रतिकृति को क्षतिग्रस्त किए जाने के बाद हिंसा देखी गई। परभणी के शंकर नगर निवासी सूर्यवंशी हिंसा के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए 50 से अधिक लोगों में शामिल थे। पुलिस के अनुसार, 15 दिसंबर को एक सरकारी अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई, जहां उन्हें सीने में दर्द और बेचैनी की शिकायत के बाद ले जाया गया था, जब वह न्यायिक हिरासत में थे और परभणी जिला केंद्रीय जेल में बंद थे। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने परभणी हिंसा की न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं।

राजस्थान के कोटपूतली में बच्ची बोरवेल में गिरी, बचाव कार्य जारी

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के कोटपूतली जिले के सरुंड थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक बच्ची बोरवेल में गिर गई। बच्ची को सुरक्षित निकालने के प्रयास जारी हैं। थानाधिकारी मोहम्मद इमरान ने बताया कि कितरपुरा इलाके में भूपेंद्र चौधरी नामक व्यक्ति के खेत में उसकी साढ़े तीन साल की बच्ची चेतना फिसलकर बोरवेल में गिर गई। इमरान के मुताबिक, बोरवेल की गहराई करीब 150 फुट है और बच्ची को सुरक्षित निकालने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने बताया कि बोरवेल खुला पड़ा था और उसके अंदर से बच्ची के रोने की आवाज सुनाई दे रही है। इमरान के अनुसार, राज्य आपदा प्रबंधन बल और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीमें मौके पर पहुंच रही हैं। राजस्थान के कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने बच्ची के बोरवेल में गिरने की घटना पर दुख जताते हुए संबंधित अधिकारियों से राहत एवं बचाव कार्यों के बारे में जानकारी ली।

आप ने की अमित शाह को गृह मंत्री पद से हटाने की मांग

अजमेर, एजेंसी। राजस्थान में आम आदमी पार्टी (आप) की अजमेर इकाई की ओर से जिला कलेक्टर को राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन देकर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर पर की गयी टिप्पणी पर स्वतरूसंज्ञान लेकर उन्हें गृहमंत्री पद से 'बर्खास्त् करने की मांग की है। आप पार्टी अनुसूचित जाति इकाई के प्रदेश अध्यक्ष पंकज जटिया के नेतृत्व में कार्यकर्ता अजमेर

में जयपुर रोड स्थित डाक बंगला पर एकत्रित हुये और यहां से बाबा साहेब के समर्थन और अमित शाह के विरोध में नारेबाजी करते हुये जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचे, जहां राष्ट्रपति के नाम का ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में राष्ट्रपति को बताया गया है कि गृहमंत्री की टिप्पणी ने देश को स्तब्ध कर दिया है। उनकी टिप्पणी अम्बेडकर.. अम्बेडकर.. बोलना फैशन बन गया है। इससे करोड़ों लोगों की भावनाएं आहत हुई है । गृहमंत्री ने अपने कथन को जायज ठहराया है और प्रधानमंत्री ने इसका समर्थन कर जले पर नमक छिड़कने का काम किया है। परिणामस्वरूप पूरा देश उद्वेलित है और गृहमंत्री के कथन का विरोध कर उनसे माफी मांगने की मांग कर रहा है। उन्होंने राष्ट्रपति से अमित शाह को गृहमंत्री पद से बर्खास्त करने की मांग की है।

गजल गायकी के नायाब हीरा विश्वनाथ श्रीवास्तव 'हजी' का कोई जबाव नहीं

डॉ०प्रदीप चित्रांशी

प्रयागराज। नब्बे वसन्त देखने वाले कव्वाली की तर्ज पर प्रयागराज की साहित्यिक भूमि पर गजल गायकी के नायाब हीरा विश्वनाथ प्रसाद श्रीवास्तव शहजींश अपनी जवानी में कघ्व्वालों के साथ कघ्व्वाली गाने के लिए महफिलों में जाया करते थे। सेवानिवृत्ति के बाद वह इलाहाबाद के नीमसराय नामक मुहल्ले में स्थाई आवास बनाकर रहने लगे थे। उनके आवास के बगल में मस्जिद है,वे उस मस्जिद के जलसों में बराबर जाते थे तथा अन्य जगहों के उर्स में बाहैसियत कघ्व्वाल शिरकत करते थे। यहीं से गजल को कघ्व्वाली की तर्ज पर कहने का सफर भी उन्होंने शुरू किया था। उनके इस सफर में परिन्दों की तरह गजल की बाग और फुलवारी को एक नई चहचहाहट दी ।उस भोर का आगाज किया जिसमें परिन्दों का गीत सुनने के लिए हजारों–हजार लोग सुख की नींद को त्यागकर प्राकृतिक आनन्द के बाग में सैर करने आते हैं क्योंकि कुछ पल के ही लिए मगर वे अपने गम को भूलकर एक अलग आनन्द की दुनिया में बैठकर आनन्द की सुखानुभूति करते हैं। नगर के लोगों को इस सुखानुभूति से जोड़ने के लिए कुछ श्रेय कवि शम्भूनाथ श्रीवास्तव को जाता है ।शम्भूनाथ जी से विश्वनाथ जी की मुलाकात किसी पारिवारिक कार्यक्रम में हुई थी। वहाँ पर दोनों में परिचय के साथ–साथ पारिवारिक एवं साहित्यिक चर्चा भी हुई। शम्भूनाथ ने उनका परिचय कवि योगेन्द्र मिश्र से करवाया। उस समय योगेन्द्र एक साहित्यिक संस्था श्सद्भावना मंच श्को चला रहे थे। संस्था के सदस्यों की सहमति से उन्हें संस्था के संरक्षक की महती भूमिका सौंपी गई। यहीं से नगर प्रयागराज में उनकी साहित्यिक यात्रा शुरू हुई जो उनके अन्तिम साँस तक चलती रही,जिसके साक्षी भी योगेन्द्र एवं उनका बेटा शीलवन्त श्राजूश रहे। उनके खुलेपन और जिन्दादिली का आलम यह था कि दोस्तों की जमघट रोज–ब–रोज उन्हीं के घर पर होती थी। दोपहर हो या शाम, काव्य महफिलों का दौर चलता रहता था। इस महफिल में रामवीर सिंह श्पथिक श,विन्ध्यवासिनी शुक्लश्मृदुल श, उपेन्द्र मिश्र श्मनमौजीश, एच. एन. पाण्डेय श्अंजान श ,शम्भूनाथ श्रीवास्तव और कवयित्री प्रीता बाजपेई की उपस्थिति अकसर दिख जाया करती थी, जिनका स्वागत सत्कार आपके पुत्र शीलवन्तश्राजूश चाय,समोसा, बिस्कुट और कभी–कभी गरमागरम पकौड़ियों से करते थे। पिता–पुत्र के इस स्नेहिल रिश्ते को देखकर आने–जाने वाला हर मेहमान विश्वनाथ जी से यह जरूर कहता था कि आप पर ईश्वर की बड़ी कृपा है, राजू जैसा पुत्र आपके पास है। मेरा भी उनके घर आना–जाना होता था। धर्म और साहित्य पर बहुत गहरी चर्चा होती थी। ज्योतिष के विषय में आपको अच्छी जानकारी थी ।अकसर लोगों की कुण्डली बनाते हुए मिल जाते थे। चर्चा के दौरान साहित्य से हटकर प्रीता जी की बहुत तारीफ किया करते थे। वे कहते थे प्रीता दीदी मेरी छोटी बहन हैं,मेरा बहुत खघ्याल रखती हैं। जब भी मेरा कुछ खाने का मन करता है, वह फौरन अपने घर से पकाकर भेज देती हैं। विन्ध्यवासिनी जी उनसे उर्दू सीखा करते थे और उन्हीं की तर्ज पर गजल गायकी। रामवीर और अन्जान भी अपनी कविताओं को उन्हें सुनाकर आशीर्वाद प्राप्त करते थे। दैनिक समाचार–पत्र श्शहर समताश के संपादक उमेश जी अपने अखघ्बार के कुछ पन्ने विश्वनाथ जी को देना चाहते थे लेकिन उनकी यह इच्छा अधूरी ही रह गई क्योंकि विश्वनाथ जी अस्वस्थ हो चले थे। अपनी अस्वस्थता के कारण घर से बाहर आना–जाना बहुत कम हो गया था। पथिक,अन्जान, मृदुल जी लगभग नित्य इनके घर आने लगे। अब भी घर पर काव्य महफिलें जमती थीं। चाय का दौर चलता था ।जिन्दादिली में कोई कमी नहीं आई थी। उनके घर जाना मुझे भी अच्छा लगता था इसीलिए मैं भी इनके घर अकसर चला जाता था। उनके निधन से कुछ दिन पूर्व मैं उनके घर गया था। आपसे मिलने के बाद ऐसा प्रतीत नहीं हुआ कि यह हमारी अन्तिम मुलाकात है। धर्म–अध्यात्म पर चर्चा, कविता का सुनना–सुनाना और चाय पीने के दौरान पुनरू धर्म की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि मैं अपनी उम्र से कहीं ज्यादा जी चुका हूँ। मुझे मृत्यु से भय नहीं लगता क्योंकि मैंने किसी पुस्तक में पढ़ा है कि मृत्यु एक विश्राम स्थल है। जब शरीर चलते–चलते थक जाता है और विश्राम स्थल पर रुककर पुनरूऊर्जा प्राप्त करता है ,उसी प्रकार मृत्यु के बाद जीव नये जीवन का सहारा लेकर फिर चलने लगता है। इस गम्भीर चर्चा के बाद उनकी अनुमति से वार्ता को विराम देकर, मैं अपने घर वापस आ गया। मुझे तनिक भी आभास नहीं था कि उनसे यह मेरी अन्तिम वार्ता है। कुछ ही दिन के बाद योगेन्द्र जी उनके घर अपनी पुस्तक देने गए। पुस्तक पर चर्चा होने के बाद विश्वनाथ जी ने एक गजल सुनाई– 'आप उधर जाओगे मौत इधर आएगी' यह उनके साहित्यिक जीवन की आखघ्री गजल थी, जो उन्होंने उस शख्स को सौंप दी,जिसने उन्हें पहली बार कवि–गोष्ठियों में कविता–पाठ करने का अवसर प्रदान किया था। अंततरू विश्वनाथ प्रताप श्रीवास्तव शहजींश योगेन्द्र के साहित्यिक कर्ज से भी मुक्त हो सदैव–सदैव के लिए सबको प्रणाम करके दूसरी दुनिया में चले गए।

पूर्व सीएम विजय बहुगुणा के बेटे राहत, फाइनेंस कंपनी पर दर्ज करोड़ों की ठगी व मनी लॉन्ड्रिंग का केस रद्द

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तराखंड के पूर्व सीएम विजय बहुगुणा के बेटे साकेत बहुगुणा समेत इंडिया बुल्स फाइनेंस हाउसिंग लिमिटेड व अन्य फाइनेंस कंपनियों के पूर्व–वर्तमान पदाधिकारियों समेत 18 लोगों पर दर्ज करोड़ों की ठगी व मनी लॉन्ड्रिंग के मुकदमे को रद्द कर दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा, न्यायमूर्ति आशुतोष श्रीवास्तव की खंडपीठ ने इंडिया बुल्स हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, एम थ्री एम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की ओर से एफआईआर व प्रवर्तन निदेशालय में दर्ज ईसीआईआर (एनफोर्समेंट केस इंफॉर्मेशन रिपोर्ट) को चुनौती देने वाली याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। मामला गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र का है। वैभव खंड स्थित शिप्रा एस्टेट कंपनी के निदेशक अमित वालिया ने इंडिया बुल्स के पूर्व चेयरमैन समीर गहलोत, वाइस चेयरमैन एवं एमडी गगन वांगा, अश्विनी ओमप्रकाश कुमार हुड्डा, राजीव गांधी, जितेश मीर, राकेश भगत, आशीष जैन, साकेत बहुगुणा के अलावा, थ्री एम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर रूपकुमार बंसल, बसंत बंसल, पंकज बंसल, विवेक सिंघल, अनीता ठाकुर, सौरभ सुनील जैन, मनोज, रविंद्र सिंह, अजय शर्मा, राजेश चंद्रकांत शाह के खिलाफ करोड़ों की धोखाधड़ी, मारपीट, धमकी और षड्यंत्र रचने के आरोप में केस दर्ज कराया था। आरोप लगाया कि इंडिया बुल्स कंपनी के डायरेक्टर उनके पास आए। कहा कि वह मार्केट से कम ब्याज दर पर 1939 करोड़ रुपये का लोन दे देंगे। इसके बदले में शिप्रा एस्टेट की छह हजार करोड़ की छह संपत्तियां गिरवी रखने की शर्त रखी गई। शर्त के बाद इंडिया बुल्स कंपनी के डायरेक्टर अपनी बात से मुकर गए। 1939 करोड़ की जगह 866 करोड़ 88 लाख 76 हजार रुपये ही खाते में डाले। इसमें से भी मोटी रकम खुद निकाल ली। इसके अलावा यह भी आरोप लगाए कि इंडिया बुल्स कंपनी ने जालसाजी के साथ फर्जी दस्तावेज तैयार कर शिप्रा एस्टेट की संपत्ति हड़पने लगी। इसके बाद कंपनी के गिरवी रखे गए शेयरों को भी कम दामों में बेच दिए। अमित वालिया का कहना था कि संपत्ति को वापस पाने के एवज में इंडिया बुल्स कंपनी के पदाधिकारियों की ओर से उनसे 1738 करोड़ रुपयों की मांग की जा रही थी। यह एफआईआर मजिस्ट्रेट के आदेश पर नौ अप्रैल 2023 में दर्ज हो सकी थी। इसके बाद इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने भी मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया। इन सभी मामलों के खिलाफ आरोपी फाइनेंस कंपनियों के इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। कोर्ट ने इंडिया बुल्स समेत अन्य कंपनियों पर दर्ज एफआईआर और ईसीआईआर को रद्द कर दिया। कहा कि यह मानने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि उधारकर्ता के कहने पर आपराधिक कार्यवाही की शुरुआत प्रासंगिक तथ्यों को दबाने और छिपाने के बल पर की गई है। इसमें बिना किसी कारण के देरी की गई है। उधारकर्ता को दी गई वित्तीय सहायता को वापस पाने के लिए इंडिया बुल्स की ओर से उठाए गए वैध कदमों को विफल करने के दुर्भावनापूर्ण इरादे हैं। ऐसी कार्यवाही का उद्देश्य पक्षों के बीच चल रही सिविलध्मध्यस्थता कार्यवाही में लाभ उठाना भी है। इसलिए आपराधिक कार्यवाही स्पष्ट रूप से कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग है। किसी घटना की प्राथमिक सूचना रिपोर्ट यानी एफआईआर थाने में दर्ज की जाती है। तय समय सीमा के अंदर चार्जशीट दाखिल कर मामला कोर्ट के सुपुर्द किया जाता है। एफआईआर दर्ज होने के बाद अदालत की अनुमति के बैगर उसे वापस नहीं ले सकते। आर्थिक अपराधों की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) करता है। ईसीआईआर एक औपचारिक एंट्री होती है, जिसे ईडी दर्ज करता है। पीएमएलए 2002 में यह प्रावधान नहीं था। इसे बाद में जोड़ा गया है। ईसीआईआर के बारे में सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने 2022 में कहा था कि ईडी की ईसीआईआर एफआईआर की ही तरह है। हालांकि, जांच एजेंसी इसे आंतरिक दस्तावेज बताती है।

डॉ. अजय पाल शर्मा प्रयागराज के बने अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, भाई अमित पाल हैं पीडीए वीसी

प्रयागराज। यूपी पुलिस के एनकाउंटर स्पेशलिस्ट के रूप में विख्यात आईपीएस डॉ. अजय पाल शर्मा को प्रयागराज कमिश्नरेट में प्रभारी अतिरिक्त पुलिस आयुक्त बनाया गया है। रविवार को डीजी कानून–व्यवस्था एवं कार्मिक अमिताभ यश ने आदेश जारी किया। इससे पहले डॉ. अजय जौनपुर में बतौर पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यरत थे। संभावना है कि वह बुधवार तक पदभार ग्रहण कर लेंगे। पंजाब के लुधियाना में जन्मे वर्ष 2011 बैच के आईपीएस अफसर डॉ. अजय पाल शर्मा को उनकी तेजतर्रार कार्यशैली और अपराधियों के खिलाफ बिना रुके अभियान चलाने के लिए सिंघम, दबंग और दी रियल कमांडर के उपनाम से जाना जाता है। वह डायल–112 के एसपी का चार्ज संभालने के अलावा सहारनपुर, गाजियाबाद, हाथरस और नोएडा जैसे जिलों में तैनात रह चुके हैं। जौनपुर में अपने लगभग 20 महीने के कार्यकाल में 70 से अधिक एनकाउंटर किए हैं। जिसमें तीन बेहद खूंखार बदमाशों का सफाया किया गया। बता दें कि उनके भाई अमित पाल शर्मा प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) के उपाध्यक्ष के पद पर कार्यरत हैं। रविवार को यूपी पुलिस विभाग में रविवार को 15 आईपीएस अधिकारियों के तबादले हुए हैं।

लंबित मुकदमे की जानकारी न होने पर तथ्य छुपाने का दोषी नहीं ठहरा सकते

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि लंबित आपराधिक मुकदमे की जानकारी नहीं होने पर व्यक्ति को तथ्य छुपाने का दोषी नहीं ठहराया जा सकता है। कोर्ट ने यह टिप्पणी कर पीएसी कांस्टेबल के खिलाफ बर्खास्तगी को रद्द कर तत्काल सेवा में बहाल करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति नीरज तिवारी ने मिथिलेश कुमार सिंह की याचिका को स्वीकार कर यह आदेश दिया। बलिया निवासी मिथिलेश का पुलिस कांस्टेबल और कांस्टेबल पीएसी (पुरुष) सीधी भर्ती–2015 में कांस्टेबल के पद पर चयन हुआ था। ज्वॉइनिंग के समय शपथ पत्र दिया है कि उसके खिलाफ कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है। उसने 4वीं बटालियन पीएसी धूमनगंज, प्रयागराज में 14 जुलाई 2018 को ज्वॉइन कर लिया। 10 महीने की सेवा पूरी होने के बाद 30 नवंबर 2019 को लंबित आपराधिक मामलों को छुपाने के आधार पर उसे बर्खास्त कर दिया गया। इस आदेश को उसने हाईकोर्ट में चुनौती दी। अधिवक्ता संजीव सिंह ने दलील दी कि आवेदन पत्र जमा करने के वक्त और शामिल होने के समय याची को उसके खिलाफ किसी भी आपराधिक मामले के लंबित होने की जानकारी नहीं थी। ज्वॉइनिंग से बलिया के पूर्व एसपी ने चरित्र प्रमाणपत्र का सत्यापन किया था, जिसमें कुछ भी प्रतिकूल नहीं पाया गया। न्यायालयों के आदेशों का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि आपराधिक कार्यवाही के बारे में कोई जानकारी नहीं होने पर तथ्य छिपाने के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता है। विवादित आदेश को रद्द किया जाना चाहिए। शासकीय अधिवक्ता ने याचिका का विरोध किया। कोर्ट ने विवादित आदेश को रद्द कर दिया। वहीं, प्रतिवादियों को निर्देश दिया कि वे इस आदेश की प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करने की तारीख से सभी परिणामी लाभों के साथ याची को तुरंत सेवा में बहाल करें। यह भी कहा कि यदि वह आपराधिक कार्यवाही में दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

सीएम योगी पहुंचे प्रयागराज अरैल में टेंट सिटी का लिया जायजा, तैयारियां तेज करने का दिया निर्देश

प्रयागराज। महाकुंभ की तैयारियां का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रयागराज पहुंच गए हैं। उनका हेलीकॉप्टर डीपीएस ग्राउंड में उतरा। यहां से सीधे वह अरैल घाट पर तैयार हो रहे टेंट सिटी पहुंचे। तैयारियों का जायजा लेते हुए समय के भीतर कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने उन्हें तैयारियों के बारे में जानकारी दी। यहां के बाद सीएम गंगा तट पर स्थित दशाश्वमेध घाट पहुंचे। यहां पर दशाश्वमेधेश्वर महादेव का पूजन करने के बाद आरती उतारी। अधिकारियों के साथ बैठक कर ली जानकारी सीएम योगी ने अधिकारियों से मेले की तैयारियों के बारे में चर्चा की। बैठक में महाकुंभ के कार्यों से जुड़े सभी अधिकारी मौजूद हैं। प्रोजेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को परियोजनाओं की जानकारी दी गई। इसमें रिवर फ्रंट, नागवासुकि मंदिर घाट पर हुए कार्यों के साथ, दारागंज, संगम क्षेत्र, अलोपीबाग फ्लाईओवर से लेकर पांटून पुल निर्माण आदि के बारे में जानकारी दी गई। आई ट्रिपल सी में अधिकारियों के साथ बैठक की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आई ट्रिपलसी में अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने महाकुंभ के तहत शहर और संगम तट पर चल रहे कार्यों का जायया लिया। एसआरएन अस्पताल का लिया जायजा सीएम योगी ने न्यू ओपीडी ब्लॉक और बर्न वार्ड का जायजा लिया। यहां पर चल रहे अन्य कार्यों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री के आगमन के चलते मरीजों और तीमारदारों का प्रवेश रोक दिया गया था। इसको लेकर मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। मुख्यमंत्री के जाने के बाद मरीजों को आने की अनुमति दी गई। स्वरूप रानी नेहरू हॉस्पिटल में मुख्यमंत्री के आगमन पर एक घंटे से ही ट्रामा सेंटर के बाहर मरीजों को रोक दिया गया था। इससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं का फीडबैक अहम, सामूहिक प्रयास पर बल, लोगों को झेलनी पड़े दिक्कत

प्रयागराज। महाकुंभ की तैयारियों के संबंध में मेला प्राधिकरण की ओर से मेला क्षेत्र स्थित अस्थायी पुलिस लाइन में बैठक आयोजित की गई। इसमें अधिकारियों ने महाकुंभ में भीड़ प्रबंधन, ट्रैफिक प्लान और अन्य आवश्यक इंतजाम की जानकारी दी और स्टेक होल्डरों से सुझाव भी मांगे। इस दौरान अधिकारियों ने महाकुंभ में श्रद्धालुओं के फीडबैक को अहम बताया। उन्होंने कहा कि देश–विदेश से प्रयागराज आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर अनुभूति कराना

हम सबकी जिम्मेदारी है। इसके लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है। सबसे बड़े धार्मिक आयोजन में चुनौतियों के साथ तमाम अवसर भी उपलब्ध हैं। एडीजी जोन भानु भाष्कर और मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के दौरान भीड़ प्रबंधन, ट्रैफिक प्लान समेत डिजिटल और स्वच्छ कुंभ की जानकारी दी गई। साथ ही स्टेक होल्डरों से सुझाव संग सहयोग की अपील की गई। मेला क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की दिक्कत न हो, इस पर स्टेक होल्डरों से सुझाव भी लिए गए। प्रमुख मार्गों एवं नगर क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को और सुगम बनाने पर जोर दिया गया। सिविल लाइंस से होगा शटल बसों का संचालन यातायात पुलिस की ओर से बताया गया कि महाकुंभ के लिए परेड क्षेत्र में 13, अरैल में 15 और झूंसी में सात पार्किंग बनाई गई है। उन्होंने बताया कि महाकुंभ के दौरान सिविल लाइंस बस अड्डे से शटल बसों का संचालन किया जाएगा। इसमें 550 शटल बसें चलाने की तैयारी है, ताकि श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आवागमन में परेशानी न हो, जबकि अंतरराज्यीय बस सेवा के लिए अस्थायी बस अड्डे बनाए गए हैं। महाकुंभ–2025 को सकुशल, निर्विघ्न, सुरक्षित एवं पॉलिथीन मुक्त बनाने के लिए पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी गई। बैठक में व्यापार मंडल, टैम्पों–टैक्सी यूनियन, ई–रिक्शा यूनियन, होटल यूनियन, सिविल डिफेंस सहित अन्य स्टेक होल्डरों ने आवश्यक सुझाव भी दिये। वहीं मेलाधिकारी विजय किरण आनन्द ने मेले के आयोजन की तैयारियों के बारे में विस्तार से बताया और सभी से सहयोग की अपील की। इस अवसर पर जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़, एसएसपी राजेश द्विवेदी व अन्य वरिष्ठ पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारीगण मौजूद रहे। स्नान दिवस पर निजी अस्पतालों में 25 प्रतिशत बेड होंगे आरक्षित जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने कहा कि आपदा प्रबंधन के लिए निजी अस्पताल संचालकों संग वार्ता की गई है। इस दौरान निजी अस्पतालों ने स्नान पर्वों पर 25 प्रतिशत बेड खाली रखने का भरोसा दिया है, ताकि आपदा की स्थिति में प्रभावी नियंत्रण हो सके। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के दौरान भंडारे के लिए जिन संस्थाओं और व्यक्तियों को परमिशन चाहिए, वे 31 दिसंबर तक आवेदन कर दें, ताकि उन्हें नियमानुसार स्वीकृति दी जा सके। उन्होंने कहा कि मुख्य मार्गों पर भंडारे की परमिशन किसी को नहीं दी जाएगी। महाकुंभ के पिछड़े कार्य पर प्रमुख सचिव नाराज, तेजी के दिए निर्देश महाकुंभ के पिछड़े कार्यों पर नगर विकास के प्रमुख सचिव ने नाराजगी जताई। खास तौर पर सीएम ग्रिड योजना की आठ सड़कों की स्वीकृति के एक माह बाद भी प्रगति न होने पर उन्होंने मुख्य अभियंता से जवाब तलब किया। इसके बाद नगर निगम में बैठक के दौरान उन्होंने शहर और महाकुंभ क्षेत्र की स्वच्छता पर जोर दिया। साथ ही सड़क के किनारों से ठेले वालों को व्यवस्थित तरीके से हटाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के प्रयागराज आगमन से पहले महाकुंभ के कार्यों का जायजा लेने पहुंचे प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने सीएम ग्रिड योजना की समीक्षा की। इस दौरान पाया कि योजना के तहत जिन सड़कों की स्वीकृति प्राप्त हुई है, एक माह बाद भी कार्य शुरू नहीं हुआ। उन्होंने मुख्य अभियंता को निर्देशित किया सीएम ग्रिड योजना के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता पर शुरू कराना सुनिश्चित करें। कार्य के दौरान सुरक्षा के साथ यह भी ध्यान रखा जाए कि आमजन को इससे अधिक समस्या न हो। नगर निगम की स्मार्ट बिल्डिंग के सभागार में आयोजित बैठक के दौरान उन्होंने शहर और महाकुंभ क्षेत्र की स्वच्छता पर जोर दिया। इसके लिए सड़क के किनारों से ठेले वालों को व्यवस्थित तरीके से हटाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने शहर की साफ–सफाई को लेकर कर्मचारियों और अधिकारियों के कार्यों की सराहना भी की और इसे बेहतर करने पर जोर दिया। उन्होंने अलग–अलग क्षेत्रों को खंडों में बांटकर सड़कों की सफाई व्यवस्थित तरीके से करवाने का सुझाव दिया। हिदायत दी कि बिना नगर निगम की अनुमति के फ्लेक्स साइन न लगे। उन्होंने कहा कि सड़क किनारे से रेहड़ी–ठेले हटाएं जाएं, लेकिन उनका उत्पीड़न नहीं होना चाहिए।

फिराक गोरखपुरी से फारुकी तक खुले उर्दू अदब के पन्ने, याद की गई स्मृतियां

प्रयागराज। महाकुंभ की सांस्कृतिक रवायतों से संगम के शहर को जोड़ने के लिए बज्म–ए–विरासत के मुक्ताकाशीय मंच पर शनिवार को शहर के कई अध्याय पलटे गए। उर्दू अदब में आकाश की तरह फैले शम्शुर्रहमान फारुकी के साहित्य संसार के पन्ने खुले, तो मीर की रुबाइयों पर भी बतकही का दौर चला। लोकनाथ, रानीमंडी की गलियों में फूली, समाई और ठहाकों में यादगार बनी स्मृतियों के झरोखे से झांकने–ताकने का खूब मौका मिला। आरडी बर्मन नाइट के तौर पर इस आखिरी शाम फिल्मी नग्मों और तरानों को समर्पित रही। इस दिन को आधुनिक उर्दू गजल के अग्रदूत और हिंदी के सबसे प्रभावशाली पूर्व–आधुनिक कवियों में से एक, ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित फिराक गोरखपुरी को समर्पित किया गया। कहा गया कि फिराक अपनी गहरी आलोचनात्मक दृष्टि और संवेदनशील अभिव्यक्ति के लिए जाने जाते हैं। दिन के 11 बजे शुरुआत स्मिता अग्रवाल के गजल गायन से हुई। स्मिता ने फिराक की गजल 'नर्म फिजा की करवटें' को सुरों में उतार कर खुशनुमा माहौल बना दिया। तबले पर संगत वासुदेव पांडेय और सिंथेसाइजर पर आकाश ने की। इसके बाद फिराक गोरखपुरी के साहित्यिक योगदान पर चर्चा शुरू हुई। इसमें प्रो. असलम, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के प्रो. अहमद महफूज और इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रो. हेरम्ब चतुर्वेदी, गीतकार यश मालवीय ने अपने अनुभवों के साथ किस्सागोई को साझा किया। प्रो. महफूज ने फिराक साहब की तुलना मिर्जा गालिब से की। कहा कि उनकी उर्दू शायरी, नज्में, और रुबाइयां गजल की दुनिया में बेजोड़ हैं। इनके बाद प्रो. हेरम्ब चतुर्वेदी का कहना था कि फिराक अक्सर रातभर जागकर शायरी करते थे। यश मालवीय बताते हैं कि एक बार लाल किले पर आयोजित मुशायरे में फिराक राष्ट्रपति की विशेष कुर्सी पर जाकर बैठ गए। जब तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद वहां पहुंचे, तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'आइए, आइए! तशरीफ रखिए। आप ही की तो एक तशरीफ है। अंत में प्रो. असलम ने भी फिराक से जुड़े संस्मरणों को साझा किया। बज्म–ए– विरासत का अगला सत्र इलाहाबाद के मशहूर वेटरन बैंड की ओर से प्रस्तुत किया गया। इसे भारतीय रॉक संगीत के प्रणेता और प्रचारक, अमित सहगल को समर्पित किया गया। अमित सहगल, जिन्हें भारतीय रॉक संगीत समुदाय में प्यार से 'पापा रॉक' कहा जाता था, एक प्रतिभाशाली संगीतकार, प्रकाशक भी थे।

सिविल मामलों में आपराधिक मुकदमे दर्ज कराना कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि सिविल मामलों में आपराधिक मुकदमे दर्ज कराना कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग है। जमीन खरीद–बिक्री मामले में ठगी होने पर क्रेता ही धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करा सकता है। आवेदक विवादित जमीन का वास्तविक क्रेता हैं, जिसने बाद में संपत्ति अन्य व्यक्तियों को बेच दी है। खरीददारों में कोई भी धोखाधड़ी का आरोप नहीं लगाया है। न्यायालय ने उक्त टिप्पणी करते हुए आरोप–पत्र, समन आदेश के साथ–साथ मामले की संपूर्ण कार्यवाही को रद्द कर दिया। यह आदेश मंजू रानी चौहान की पीठ ने रमनदीप सिंह व दो अन्य, मुनीष चंद्र मिश्रा, अरविंदर सिंह व 2 अन्य की ओर से दाखिल अर्जी पर दिया। बरेली निवासी आवेदकों पर थाना इज्जत नगर में बरेली विकास प्राधिकरण की ओर से 2022 में फर्जी सेल डीड के आधार पर सरकारी जमीन बेचने का आरोप में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, बरेली की अदालत के समक्ष वाद लंबित है। इस मुकदमे की पूरी कार्रवाई को रद्द करने के लिए आवेदकों ने हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की। आवेदक रमनदीप सिंह और 2 अन्य के अधिवक्ता पवन किशोर व राहुल अग्रवाल ने दलील दी कि सिविल मामले को आपराधिक रूप दिया गया है। जबकि यह धोखाधड़ी का मामला नहीं है। जमीन की बिक्री के दिन तक आवेदक का नाम खतौनी में दर्ज था। सीलिंग में जमीन सरकार में निहित हो गई। इसके खिलाफ वाद लंबित है। वहीं, बीडीए के अधिवक्ता ने दलील दी कि सीलिंग अधिनियम के तहत अधिसूचना जारी होने के बाद चिह्नित भूमि पूरी तरह से राज्य सरकार में निहित हो जाती है। उसके बाद का कोई भी लेन–देन शुरू से ही अमान्य है। अन्य दलीलें दीं। न्यायालय ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि सिविल मामलों में आपराधिक मुकदमा चलाना गंभीर मामला है। इससे किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता प्रभावित होती है। साथ ही व्यक्ति की प्रतिष्ठा को बड़ा नुकसान पहुंचता है। ऐसे मुकदमे को जारी रखना कानून की प्रक्रिया के दुरुपयोग और मानसिक आघात है। न्यायालय ने दर्ज मुकदमे की संपूर्ण कार्रवाई को रद्द कर दिया।

महाकुंभ में कॉल करते ही पहुंचेगी ऑटोमैटिक ब्लोअर मिस्ट, मच्छर–मक्खियों से दिलाएगी निजात

प्रयागराज। महाकुंभ के किसी भी कोने से बस एक कॉल करते ही 30 मिनट के भीतर ऑटोमैटिक ब्लोअर मिस्ट मौके पर पहुंचकर मच्छर और मक्खी का खत्म कर देगी। अखाड़ों और टेंट सिटी को इंसेक्ट फ्री बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने संत महात्माओं के साथ–साथ श्रद्धालुओं के लिए भी विशेष व्यवस्था की है। महाकुंभ के नोडल जॉइंट डायरेक्टर (वेक्टर कंट्रोल) डॉ. वीपी सिंह ने बताया कि मेला क्षेत्र के दौरान चप्पे–चप्पे पर कीटनाशक का छिड़काव किए जाने की तैयारी है। श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाए, इसके लिए 62 पल्स फॉगिंग मशीनें भी मंगवाई गई हैं। वहीं संतों और श्रद्धालुओं की हिफाजत के लिए 78 स्पेशल ऑफिसर तैनात किए जा रहे हैं। इसके अलावा मेला क्षेत्र में 45 मलेरिया इंस्पेक्टरों की तैनाती की जा रही है, जो श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखेंगे। इनके अलावा 28 असिस्टेंट मलेरिया इंस्पेक्टर भी तैनात किए जाएंगे, जो साधु संतों के साथ श्रद्धालुओं की भी देखभाल करेंगे। आधुनिक उपकरणों से सुनिश्चित होगी स्वच्छता महाकुंभ में आने वाले देश–विदेश के श्रद्धालुओं, पर्यटकों को स्वच्छ और सुविधाजनक वातावरण प्रदान करने के लिए आधुनिक स्वच्छता उपकरणों का उपयोग किया जाएगा। इसके लिए प्रयागराज मेला प्राधिकरण की ओर से तैयारी की गई है। मेला शुरू होने से पूर्व इन आधुनिक उपकरणों को तैनात कर दिया जाएगा। इन उपकरणों में 10 मैनुअल वॉक–बिहाइंड स्वीपिंग मशीन और दो बैटरी ऑपरेटेड वैक्यूम टाइप लिटर पिकर शामिल हैं। मेला क्षेत्र के पक्के घाटों, फुटपाथों, सड़कों तथा विभिन्न सार्वजनिक स्थलों की साफ–सफाई के लिए कॉम्पैक्ट मैनुअल स्वीपिंग मशीन का उपयोग किया जाएगा। पर्यावरण–अनुकूल उपकरण के रूप में यह ईंधन या बिजली की आवश्यकता के बिना संचालित होता है। यह उपकरण स्वच्छता कर्मियों को अपने कार्यों को अधिक कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से करने के साथ–साथ स्वच्छ और हरित वातावरण में योगदान करने के लिए सक्षम बनाता है। इसके साथ ही साफ सफाई के लिए बैटरी चालित वैक्यूम टाइप लिटर पिकर भी मेला क्षेत्र में शामिल किया जाएगा।

साहित्यकार समाज में सकारात्मक परिवर्तन को दिशा देता है - सोहन लाल श्रीमाली

डॉ0 अनुज प्रताप सिंह को मिला श्आचार्य रामचन्द्र शुक्ल सम्मान-2024

भोलानाथ कुशवाहा के एकांकी संग्रह श्लोकल वोकलश् का हुआ लोकार्पण

मिर्जापुर। आचार्य रामचंद्र शुक्ल शिक्षण संस्थान व हिंदी श्री साहित्य संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में सम्मान समारोह व पुस्तक लोकार्पण का आयोजन रविवार को आचार्य रामचन्द्र शुक्ल विद्यालय, रमईपट्टी में हुआ। मुख्य अतिथि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष सोहनलाल श्रीमाली ने सरस्वती प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके कार्यक्रम का प्रारंभ किया। अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अनुज प्रताप सिंह ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतीय साहित्य परिसद के अध्यक्ष राजपति ओझा और जुबिली इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य राजेन्द्र तिवारी,आचार्य रामचन्द्र शुक्ल स्मारक विद्यालय के प्रबंधक राकेश चंद्र शुक्ल उपस्थित रहे। डॉ. अनुज प्रताप सिंह को साहित्यिक आलोचना व समीक्षा के क्षेत्र में विशेष कार्य के लिए श्आचार्य रामचंद्र शुक्ल सम्मान 2024श प्रदान किया गया। वरिष्ठ साहित्यकार व पत्रकार भोलानाथ कुशवाहा के एकांकी संग्रह श्लोकल वोकलश का लोकार्पण मंचासीन अतिथियों ने किया। मुख्य अतिथि सोहनलाल श्रीमाली ने अपने संबोधन में कहा कि श्साहित्यकार समाज में सकारात्मक परिवर्तन को दिशा देता है।श डॉ अनुज प्रताप सिंह ने आचार्य शुक्ल के साहित्यिक योगदान और भोलानाथ कुशवाहा के एकांकी श्लोकल वोकलश पर विस्तार से चर्चा किया। कार्यक्रम का संचालन आनंद अमित ने किया आचार्य राम चंद्र शुक्ल विद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। काव्यपाठ के क्रम में सृष्टि राज, हौसला प्रसाद मिश्र, गुमनाम मिर्जापुरी, नंदलाल सिंह चंचल, इरफान कुरैशी, मुहिब मिर्जापुरी, केदार नाथ सविता, नंदिनी वर्मा, प्रमोद गुप्ता, अमरनाथ सिंह, आनंद देवा, शिवप्रसाद द्विवेदी, अताउल्लाह सिद्दीक ने अपनी रचनाएँ सुनाईं। हिंदी श्री के कार्यक्रम संयोजक रमेश प्रजापति और आनंद केसरी ने अतिथियों को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। काव्यपाठ करने वाले व सांस्कृतिक प्रस्तुति देने वाले बच्चों को हिंदी श्री की संस्थापिका सावित्री कुमारी ने सहभागिता सम्मान प्रदान किया। कार्यक्रम में रवि प्रजापति, प्रतिभा, शक्ति श्रीवास्तव, अर्चना, आशीष शुक्ल, कल्पना गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

किसान दिवस का सीएमपी कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग में सफल आयोजन

प्रयागराज ससीएमपी डिग्री कॉलेज में दिनांक 23 दिसंबर 2024 को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा किसान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ दीपक कुमार गोंड द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के शुभ अवसर पर डॉ अविनाश प्रताप सिंह ने छात्रों को चौधरी चरण सिंह के द्वारा किये गए किसान हित

में अवगत कराया। किसान दिवस पर शोध छात्र पवन कुमार खरवार ने माइकोराइजा का बायोफर्टिलाइजर में उपयोग पर व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम का आयोजन वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा संचालित शॉर्ट टर्म कोर्स ऑर्गेनिक फार्मिंग के तथा आईआईसी के तहत संचालित किया गया। इसमें हमारे शोध छात्र रुचि मनी, सुरेश कुमार तथा एमएससी के छात्र एवं छात्राएं शाहरुख हसन, निशा कुमारी, श्रेया त्रिपाठी, तथा किसान रमापति यादव मौजूद रहे।

प्रयागराज मंडल की सीनियर महिला वॉलीबाल टीम घोषित.

प्रयागराज। स्थानीय मदन मोहन मालवीय स्पोर्ट्स स्टेडियम कंपनी बाग,प्रयागराज के खेल मैदान में प्रयागराज मंडल की सीनियर महिला वॉलीबाल टीम का चयन ट्रायल संपन्न हुआ। चयनित महिला वॉलीबाल टीम आगामी 25 से 27 दिसंबर 2024 तक जौनपुर जिले में आयोजित प्रदेशीय सीनियर महिला वॉलीबाल

प्रतियोगिता में प्रयागराज मंडल की वॉलीबाल टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन,(डीवीए) प्रयागराज के अवैतनिक महासचिव आर.पी.शुक्ला के अनुसार चयनित टीम के खिलाड़ी निम्नानुसार है रू--- तेजस्वनी शुक्ला (कप्तान), दिव्या, साक्षी कुमारी, पूर्णिमा श्रीवास्तव, हर्षिता पाल, पल्लवी यादव, स्नेहा राजवीर, साक्षी यादव, कविता पटेल, अंशिका द्विवेदी, पायल यादव व दिव्याशी द्विवेदी है। आरक्षित खिलाड़ी में मीनू कुमारी व श्वेता है। चयनित टीम 25 दिसंबर को सुबह 5रू30 बजे दारागंज रेलवे स्टेशन से ट्रेन द्वारा जौनपुर के लिए रवाना होगी। सभी खिलाड़ी सुबह 5 बजे तक दारागंज रेलवे स्टेशन पर पहुँचकर अपने टीम कोच या टीम कप्तान से संपर्क करें।।

'पाभोई हायर सेकेंडरी विद्यालय का विद्यालय सप्ताह धूमधाम से संपन्न'

विश्वनाथ। विश्वनाथ शिक्षा प्रखंड के प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थान पाभोई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का गुरुवार को साधारण सभा तथा पुरस्कार वितरण समारोह के साथ विद्यालय सप्ताह धूमधाम से संपन्न हुआ। जानकारी के अनुसार पाभोई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का श्विद्यालय सप्ताहश का पालन 13 दिसंबर से 19 दिसंबर आयोजन किया गया था, जिसमें सर्वप्रथम छात्र संघ के अध्यक्ष चित्र प्रसाद पौड़ेल द्वारा ध्वजारोहण किया गया। विद्यालय प्रबंधन एवं विकास समिति अध्यक्ष पूण्य प्रसाद खाउंड ने विद्यालय सप्ताह के कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इसके बाद विभिन्न प्रतियोगिताएँ—खेलकूद, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। गुरुवार को साधारण सभा एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। साधारण सभा का अध्यक्षता स्कूल के संस्थापक शिक्षक रसेश्वर खाउंड ने किया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विश्वनाथ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. चिंतामणि शर्मा मौजूद थे। मूल सभा की शुरुआत विद्यालय की छात्रा जाह्नवी बोरा द्वारा महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के विरचित बरगीत के प्रस्तुति से हुई। इसके बाद मुख्य अतिथि तथा शिक्षक –शिक्षिका ने विद्यार्थी के ऊपर केंद्रित सारगर्भित वक्तव्य दिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता को पुरस्कार से सम्मानित किया गया।अंत में जातीय संगीत से कार्यक्रम का समापन हुआ। समग्र कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक चित्र प्रसाद पौड़ेल द्वारा किया गया। शिक्षकों, छात्रों, स्कूल प्रबंधन समिति, कर्मचारियों और स्थानीय लोगों का सहयोग से विद्यालय सप्ताह धूमधाम से मनाया गया।

कवि लक्ष्मी कांत मुकुल पर केंद्रित विशेषांक का हुआ लोकार्पण एवं काव्य गोष्ठी

प्रयागराज। शहर समता विचार मंच के तत्वाधान में आज प्रयागराज के वरिष्ठ कवि रामलखन शुक्ल की अध्यक्षता में शहर समता विचार मंच के सचिव उमेश श्रीवास्तव के संयोजन में शहर समता कार्यालय कर्नलगंज में लक्ष्मी कांत मुकुल पर केंद्रित

विशेषांक का लोकार्पण किया गया, साथ ही एक सरस काव्य गोष्ठी का आयोजन भी किया गया। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि डॉ कल्पना वर्मा रही एवं विशिष्ट अतिथि डॉ रवि मिश्रा रहे। आयोजन का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। वाणी वंदना सरिता मिश्रा ने प्रस्तुत की। इस काव्यगोष्ठी में देवी प्रसाद पाण्डेय, इंदू प्रकाश मिश्र, कविता उपाध्याय, रचना सक्सेना, संजय सक्सेना, डॉ प्रदीप चित्रांशी, के पी गिरी, राम कैलाश पाल प्रयाग, तलब जौनपुरी, कशव सक्सेना, राम कुमार कुशवाहा, शरद चंद्र श्रीवास्तव, डॉ यशवंत यादव राम लखन शुक्ल, रवि मिश्रा एवं डॉ कल्पना वर्मा क्षमा द्विवेदी, नगीना द्विवेदी ने अपनी सुंदर – सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन को सफल बनाया।

खानम आर्ट गैलरी की चौथी वर्षगांठ पर ढेर सारे कलात्मक कार्यक्रमों की सौगात'

'कैलीग्राफी एवं चित्रकला प्रतियोगिता सम्पन्न'

प्रयागराज। खघनम आर्ट गैलरी 26 दिसंबर को अपनी चौथी वर्षगांठ का जश्न मना रही है। गैलरी हमेशा कला को बढ़ावा देने और कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करती रही है। गैलरी में 20 एवं 22 दिसंबर को कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जिसमें कैलिग्राफी के निर्णायक आदिल मुसाब व महाकुंभ विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति विभाग उत्तर–प्रदेश के मा. सदस्य कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा एवं वरिष्ठ कलाकार तलत महमूद रहे।

अन्य कार्यक्रमों में पाक कला और चित्रकला प्रदर्शनी के साथ प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा लाइव डेमास्ट्रेशन भी किया शामिल किया गया है। 23 दिसंबर को एक मास्टरशेफ प्रतियोगिता होगी। 26 दिसंबर को गैलरी में विजेताओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर नारायण अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि ब्रिगेडियर सैयद अहमद अली रहेंगे। गैलरी की निदेशिका, डॉ. जाहेदा खघनम ने बताया कि कला को बढ़ावा देने और कलाकारों के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास किया है और करती रहेंगी। गैलरी चार वर्षों में अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमं, कार्यशालाओं, और प्रदर्शनियां आयोजित करती रहीं है, जिसमें नए कलाकारों के लिए छात्रवृत्ति भी शामिल है।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ता की मौत के मामले में बयान दर्ज कराने हुसैनगंज कोतवाली पहुंचे अजय राय, चाचा ने दर्ज कराया था मुकदमा

लखनऊ, संवाददाता। सरकार और नीतियों के खिलाफ कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान प्रदेश कार्यालय में हुई कार्यकर्ता प्रभात पांडे (28) की मौत के मामले में सोमवार को अपना बयान दर्ज कराने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय हुसैनगंज कोतवाली पहुंचे हैं। उनके साथ कांग्रेस के सांसद किशोरी लाल शर्मा, सांसद राकेश राठौर, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू, निवर्तमान प्रदेश महासचिव प्रभारी संगठन अनिल यादव भी कोतवाली पहुंचे हैं। भतीजे की मौत के मामले में उसके चाचा मनीष पांडे ने मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस को दी गई तहरीर में बताया था कि उनका भतीजा प्रभात कुमार पाण्डेय मौजूदा समय में गोमतीनगर के एमिटी कॉलेज के सामने पीजी में रहता था। बुधवार शाम को मुझे कांग्रेस दफ्तर से फोन आया कि आपका भतीजा हमारे कार्यालय में 2 घंटे से बेहोश पड़ा हुआ है। आगे उन्होंने बताया कि फोन आने के बाद तत्काल मैने परिचित संदीप को कार्यालय भेजा। जहां उसने देखकर मुझे बताया की प्रभात के हाथ पैर ठंडे पड़ चुके हैं। मृतक के चाचा ने कहा कि संदीप के दबाव डालने के बाद कांग्रेस दफ्तर से कुछ लोग उसे एक इनोवा गाड़ी से सिविल असपताल लेकर आये। जहां डॉक्टरों ने प्रभात को मृत घोषित कर दिया। उन्होंने कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि मेरा भतीजा पी.जी. में रहकर तैयारी कर रहा था। वो कांग्रेस कार्यालय कैसे पहुंचा, मुझे नहीं पता। उन्होंने बताया कि मृतक प्रभात को पूर्व में कोई बीमारी भी नहीं थी। अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की गई है। सोमवार को हुसैनगंज कोतवाली के बंद कमरे में जांच अधिकारी ने कांग्रेस के दिग्गज नेताओं से पूछताछ की है। बंद कमरे में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय लालू समेत कई नेताओं के बयान पुलिस ने दर्ज किए हैं। हालांकि इस मामले में अभी तक आधिकारिक रूप से किसी का बयान नहीं आया है। अजय राय करीब दो घंटे की पूछताछ के बाद कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय कोतवाली से बाहर निकले। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए पुलिस पर दबाव के कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि हम मृतक के परिवार के साथ ही कांग्रेस पार्टी के लिए न्याय भी न्याय की मांग करता हूं। ऐसा लग रहा है पुलिस दबाव में एक तरफा कार्रवाई कर रही है।

आप नेताओं ने अमित शाह की फोटो जलाई,पुलिस से हुई झड़प

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कैसरबाग स्थित स्वास्थ्य भवन चौराहे से विधानसभा की ओर बढ़ रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका। आप पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गृहमंत्री के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पोस्टर जलाया। प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं ने अमित शाह पर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के अपमान का आरोप लगाया। हाथ में अमित शाह का पोस्टर लेकर मुर्दाबाद के नारे लगा रहे कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच जमकर झड़प हुई। विधानसभा की ओर बढ़ रहे कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस को काफी देर संघर्ष करना पड़ा। आम आदमी पार्टी की नेत्री इरम ने कहा कि उच्च सदन में गृहमंत्री द्वारा बाबा साहब को लेकर दिया गया बयान शर्मनाक है। जब तक अमित शाह माफी नहीं मांग लेते विरोध जारी रहेगा। इरम ने कहा अफसोस है कि संविधान रचयिता के ऊपर अपमानजनक टिप्पणी की जा रही है।

महाकुंभ में पांच दर्जन समाचार पत्रों के शिविर बढ़ाने की मांग

मामले को गंभीरता से न लेने पर सहायक निदेशक सूचना, निदेशक सूचना के खिलाफ कार्रवाई की मांग

एनयूजेआई तथा ऑल इंडिया स्माल एंड मीडियम न्यूज पेपर फेडरेशन नई दिल्ली ने दी चेतावनी

आल इंडिया स्माल एंड मीडियम न्यूज पेपर फेडरेशन नई दिल्ली के प्रदेश उपाध्यक्ष आशीष शर्मा ने महाकुंभ में स्थानीय अखबारों को शिविर (कैंप कार्यालय) आवंटन के सम्बंध में मेला अधिकारी से मिल कर शिविरों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रयास करने की बात कही।क्यों कि स्थानीय अखबारों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है तो बिना कैम्प कार्यालय बढ़ाए सबको कैम्प आवंटित नहीं हो पायेगा। साथ ही स्थानीय पत्रकारों से आफलाइन आवेदन लेकर पूर्व की भांति मीडिया पास बनाएं जाए।और यदि स्थानीय अखबारों को कैम्प कार्यालय नहीं आवंटित हुआ तो राष्ट्रीय कार्यकारिणी प्रेस काउंसिल में इसकी शिकायत करेगी, स्थानीय अखबारों की अनदेखी,हम कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे।

आज मिर्जापुर मे आयोजित प्रदेश एनयूजेआई की बैठक में उठेगा मुद्दा

मिर्जापुर मे आज होने वाले प्रदेश एनएजे आई के प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक मे ऑफ लाइन पास बनाने और मीडिया कैम्प आवंटन का मुदा उठेगा। यह बात आज एनयूजेआई के संरक्षक वरिष्ठ पत्रकार पवन द्विवेदी व परवेज आलम, जिलाध्यक्ष कुंदन श्रीवास्तव ने बताया तथा कहा कि अन्य पत्रकारों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री और सूचना निदेशक संजय प्रसाद से मांग किया है कि मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाई जाए कि जब छह वर्ष में 50 से अधिक समाचारपत्र बढ़ गये है तो शिविर क्यों आवंटित नहीं किया जा रहा। (एनयूजेआई) की आज रविवार को मिर्जापुर में होने वाले प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में महाकुंभ 2025 में मीडिया कैम्प को लेकर विशेष चर्चा होगी है। जिसमें सहायक सूचना निदेशक को हटाने और निदेशक सूचना को मीडिया कैम्प अधिक आवंटित करने की मांग होगी।

प्रयागराज। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स उत्तर प्रदेश (एनयूजेआई) की जिला इकाई की शनिवार को महाकुंभ 2025 में मीडिया कैंपों के आवंटन को लेकर आपात बैठक हुई। जिसमें पत्रकारों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महराज को आज पत्र भेजकर मांग किया है कि महाकुंभ में 60 स्थानीय समाचार पत्रों के करवेज के लिए शिविर आवंटित कराने की मांग आज की है। इसके साथ ही मेला करवेज करने लिए मांगे गये ऑन लाइन आवेदन से स्थानीय समाचार पत्रों के लिए करवेज करने वाले स्थानीय पत्रकारों से ऑफ लाइन आवेदन लेकर पास जारी करना चाहिए।

इस दौरान प्रयागराज के सहायक निदेशक सूचना इन्द्रमणि पाण्डेय ने कहा कि मेला प्रशासन ने अतिरिक्त जमीन और सुविधा से इन्कार कर दिया है जिससे अतिरिक्त शिविर नहीं लग सकेगा। सबसे बड़ी बात यह है पत्रकारो के शिविर के मामले को लेकर सूचना निदेशक भी गंभीर नहीं है। सहायक निदेशक सूचना प्रयागराज का कहना है कि कुंभ मेला 2018–19 के आधार पर समाचार पत्रों को महाकुंभ में करवेज के लिए शिविर आवंटित किया जाएगा। जबकि छह वर्ष में पांच दर्जन से ज्यादा स्थानीय समाचार पत्रों की संख्या बढ़ गयी है। एनयूजेआई के पदाधिकारियों ने आज सिविल लाइंस में हुई बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि 23 दिसंबर सोमवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महराज के प्रयागराज आगमन पर प्रयागराज विकास प्राधिकरण प्रयागराज, महाकुंभ कार्यालय में घेराव करके समाचार पत्रों के करवेज के लिए पांच दर्जन अतिरिक्त शिविर आवंटित करने की मांग की जाएगी।

बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश चन्द्र श्रीवास्तव, संरक्षक पवन द्विवेदी, संरक्षक परवेज आलम डॉ सुधाकर पांडेय, धर्मेंद्र कुमार श्रीवास्तव, बीरेंद्र श्रीवास्तव, अभय शंकर पाण्डेय, जिया सिद्दीकी, संतोष सिंह, मिथलेश त्रिपाठी, महामंत्री राजीव कुमार सिंह, अखिलेश शुक्ला, संगठन मंत्री मंत्री मधुर दरबारी,इरफान खान,असद कुरैशी, शिव कुमार पान्डेय, रंजीत निषाद, सौरभ कुमार, आदर्श, राजीव, आमीर अंसारी, अजय कुशवाहा, ब्रिजेश केसरवानी , सुहेल हनीफ, नागेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में पत्रकार, छायाकार साथी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने डिजाइन कार्यशाला का किया अवलोकन, कला एवं शिल्प महाविद्यालय के 57 छात्रों ने लिया हिस्सा

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने आज राजभवन में आयोजित एक दिवसीय डिजाइन कार्यशाला का अवलोकन किया। जिसमें कला एवं शिल्प महाविद्यालय, ललित कला संकाय, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के 57 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। प्रतिभागियों में टेक्सटाइल डिजाइन, फाइन आर्ट्स और व्यापारिक कला के छात्र–छात्राएं प्रमुख रूप से शामिल थे। राज्यपाल ने छात्रों की कलात्मक प्रतिभा और रचनात्मकता की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने छात्रों को अपनी कला में पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया। पेंटिंग या डिजाइन में पर्यावरणीय मुद्दों को शामिल करने से समाज में जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। वर्कशॉप के समापन पर सभी प्रतिभागी छात्र–छात्राओं को प्रमाण–पत्र दिया। ज्ञातव्य है कि पिछले वर्ष भी इसी प्रकार की कार्यशाला का आयोजन राजभवन में किया गया था। इस अवसर पर कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव राज्यपाल डॉ सुधीर महादेव बोबडे, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय, संकायाध्यक्ष व प्रधानाचार्य डॉ रतन कुमार, छात्र–छात्राएं तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सिद्ध शक्तिपीठ सत्य मंदिर में ऊँ रूप दर्शन का वार्षिक समारोह संपन्न

लखनऊ, संवाददाता। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सिद्ध शक्तिपीठ सत्य मंदिर, इंदिरा नगर लखनऊ में भगवान के श्ऊँ रूप दर्शनश का वार्षिक समारोह आध्यात्मिक गुरु दिव्य शक्ति मां पूनम जी एवं दिव्य शक्ति योगीराज श्री अभिनव महाराज जी की पावन उपस्थिति में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का आरंभ भगवान की वाणी के पाठ से हुआ। सिद्ध शक्तिपीठ सत्य मंदिर की प्रवक्ता कोमल पत्रकार ने बताया कि 22 दिसंबर 1979 को श्रीकृष्ण चेतनावतार देवी मां ने भगवान के लिए शलिप रूपश पर जब प्रसाद अर्पित किया, तब उनके पावन कर कमलों के स्पर्श मात्र से, प्रसाद में भगवान ने श्ऊँ रूप श में दर्शन दिया उस दिन से प्रत्येक वर्ष भगवान का ऊँ रूप दर्शन का वार्षिक समारोह सिद्ध शक्तिपीठ सत्य मंदिर में मनाया जाता है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा आध्यात्मिक गुरु दिव्य शक्ति मां पूनम जी एवं दिव्य शक्ति योगीराज श्री अभिनव महाराज जी के श्री मुख से दिव्य प्रवचन। भारतवर्ष के अनेक शहरों से आए हजारों भक्तजनों ने दिव्य प्रवचन में अपने–अपने आध्यात्मिक प्रश्न एवं जिज्ञासाओं समाधान पाया। कर्मकांड, अंधविश्वास, एवं जाति प्रथा में उलझे हुए भक्तजनों को जीवन जीने की सही दिशा एवं उचित मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिसे पाकर उनका चित् शांत हुआ और मन आध्यात्मिक प्रकाश से प्रकाशित हुआ।

विश्व साड़ी दिवस पर

नारी का परिधान है साड़ी
मनमोहक परिधान है साड़ी
नारी की गरिमा की पहचान है
नारी का अभिमान है साड़ी।।

साड़ी में सुंदर दिखती हर नारी
सभी के पहुंच में है साड़ी
अमीरी गरीबी का भेद मिटाती
हर नारी से लिपटी है साड़ी ।।

नारी बिच साड़ी है कि
साड़ी बिच नारी है
अलंकारों में भी श्रेष्ठ साड़ी
संस्कृत के सटिटका शब्द
से उदित हुई है साड़ी।।

कभी रूप और कभी रंगों में
पर अपने रंग में हर नारी को
रंगती है रंग–बिरंगी साड़ी ।।

संध्या सिंह भिलाई

सम्पादकीय........

व्यक्तिगत जानकारी उजागर करते पैन और आधार कार्ड

हिंदुस्तान की आबादी की 141करोड़ जनसंख्या में से 120 करोड़ जनमानस के पास आधार कार्ड है और पैन कार्ड धारकों की भी संख्या अब करोड़ों में पहुंच चुकी है। ये आंकड़े सरकार के पास भी हैं जो अक्सर यह संदेह पैदा करते है कि इसका कही दुरुपयोग होकर कहीं आपके निजी जीवन में हस्तक्षेप तो नहीं किया जा रहा है। सरकार द्वारा समस्त शासकीय सुविध ााओं की प्राप्ति के लिए आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं मोबाइल सिम के लिए आधार कार्ड की अनिवार्यता लागू कर दी गई है। यह बात तो सर्वविदित है कि मोबाइल में सिम कार्ड लेते वक्त आधार कार्ड की अनिवार्यता राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अति महत्वपूर्ण तो है ही पर इसमें कभी–कभी यह आशंका भी होने लगती है कि भारत में निवास करने के लिए आधार के रूप में निजी जीवन में कहीं दखलअंदाजी तो नहीं है अथवा व्यक्ति के जीवन में उसकी निजता पर प्रहार तो नहीं है। चूंकि आध ाार कार्ड व्यक्ति की निजी पहचान को अपने में सम्मिलित करता है और इसकी अनिवार्यता से व्यक्ति की निजी पहचान का दुरुपयोग हो सकता है। व्यक्ति कहां क्या गतिविधियां कर रहा है यह आधार की अनिवार्यता के साथ सरकार के पास सारी जानकारी उपलब्ध हो जाती है, जिससे सरकार द्वारा अथवा डाटा संग्रहण केंद्र के माध्यम से किसी भी हैकर द्वारा दुरुपयोग किया जा सकता है ।जो व्यक्तिगत इच्छा के विपरीत है और यदि सरकार आधार से संबंधित आंकड़े किसी अन्य पक्ष के साथ साझा करती है तो इसके दुरुपयोग की संभावना प्रबल हो जाती है। आधार कार्ड के दुरुपयोग की दूसरी समस्या इसके राजनीतिक प्रतिशोध के रूप में उपयोग किए जाने की हो सकती है। राजनीति में सत्ता पक्ष की जितनी भूमिका होती है विपक्ष की भूमिका उससे अधिक होती है। आधार कार्ड के आंकड़ों के माध्यम से कोई भी सत्ता पक्ष, विपक्ष की इस भूमिका को सीमित करने का प्रयास कर सकता है। आधार कार्ड की अनिवार्यता के साथ विपक्षी राजनेताओं के संवादों को टेप कर रणनीति का पूर्वानुमान लगाना सत्ता पक्ष की मंशा हो सकती है,इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है। पर इसके कई फायदे भी हैं ,आधार कार्ड की पैन कार्ड में अनिवार्यता ने वर्षों से टैक्स की छूट ले रहे फर्जी पैन कार्ड धारकों के हितों में चोट तो की है। इससे सरकार के कर संग्रहण में बढ़ोतरी होने से योजनाओं के लिए धन आवंटन एवं भौतिक सामाजिक निवेश में वृद्धि होगी। आधार कार्ड की अनिवार्यता से स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता नहीं बढ़ाया जा सकता है क्योंकि इससे सरकार के पास वास्तविक सफलता के आंकड़े भी उपलब्ध होंगे जो बेहतर नीति निर्माण के लिए सहायक भी होगी। विगत दिनों सुप्रीम कोर्ट ने भी माना कि भले ही निजता का अधिकार मौलिक अध िकार हो किंतु सरकार द्वारा जनकल्याण के कार्यों के लिए उसका अतिक्रमण किया जा सकता है। एक लोकतांत्रिक सरकार का प्रथम एवं अंतिम उद्देश्य लोक कल्याणकारी रूप में स्वयं को स्थापित करना है। यदि लोक कल्याण के लिए सरकार व्यक्तियों के आंकड़ों का संग्रहण करती है उसे उचित माना जाना चाहिए। शर्त यह है कि सरकार विधि सम्मत स्थापित कर दे कि उन एकत्रित आंकड़ों का दुरुपयोग कि किन्ही भी स्थिति में नहीं किया जाएगा। व्यक्ति की निजता एक अखंडनिय अधिकार है, किंतु इसकी निरंतरता के लिए सरकार का सहयोग अपनी कर्तव्यनिष्ठा का पालन भी आवश्यक है। व्यक्ति को चाहिए कि वर्तमान डिजिटल युग के खतरों को भांपते हुए निजी पहचान को किसी भी अनाधिकृत वेबसाइट अथवा व्यक्ति को देने से बचें क्योंकि निजता का वास्तविक खतरा उससे है,ना कि सरकार के आंकड़ों के संग्रहण से है। आंकड़ों की उपलब्धता सरकार के लिए अत्यंत आवश्यक भी है और अनिवार्य भी है। किंतु सरकार को यह आश्वासन देना होगा कि एकत्रित आंकड़ों का किन्हीं भी परिस्थितियों में दुरुपयोग नहीं किया जाएगा और व्यक्ति की निजता पर किसी तरह की आंच आने की संभावना नहीं होगी। आज इंटरनेट हमें देख रहा है हमारी प्रत्येक गतिविधि पर नजर है, कल टीवी पर भी हमें देखेगा हमारी सूचियों की जानकारी रखेगा इससे यह लाभ होगा कि हमारा जीवन सरल हो जाएगा किंतु कीमत होगी हमारी निजता की इस पर खतरा ना हो तो सारी सुविध ााएं मानवीय पहलुओं को सहायता करना ही है। आज के डिजिटल युग में हमें किसी किसी भी साइट अथवा किसी भी चौनल को अपना आधार कार्ड नंबर तुरंत नहीं बताना चाहिए इससे साइबर अपराध को बढ़ोतरी मिलती है एवं धन हानि की संभावना ज्यादा होने लगेगी।

गिरता रुपया और फाईव ट्रिलियन अर्थव्यवस्था

प्रेम शर्मा

एक दशक पहले, जब प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यभार संभाला था, यह 61 के आसपास थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कई भाषणों में 5 ट्रिलियन इकॉनमी की खूब चर्चा हो रही है।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये की विनिमय दर 85 के आंकड़े को पार कर गई है। दूसरे शब्दों में कहें तो 1 डॉलर खरीदने के लिए 85 रुपये चुकाने होंगे। अप्रैल में, यह "विनिमय दर" 83 के आसपास थी। एक दशक पहले, जब प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यभार संभाला था, यह 61 के आसपास थी। प्रध ाानमंत्री नरेंद्र मोदी के कई भाषणों में 5 ट्रिलियन इकॉनमी की खूब चर्चा हो रही है। वे पूरे आत्म विश्वास के साथ कहते है किं भारत की अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाना बिल्कुल संभव है। लेकिन जिस तरह से डालर के मुकाबले लगातार रूपये गिर रहा है। उसे देखकर 5 ट्रिलियन डॉलर (350 लाख करोड़ रुपये) इकॉनमी देश की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य दूर दिख रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था अभी लगभग 3.8 ट्रिलियन डॉलर है। रुपये में ऐतिहासिक गिरावट 19 दिसम्बर 24 दर्ज की गई। भारतीय मुद्रा लुढ़ककर 85 रुपये प्रति डॉलर के नीचे बंद हुई। यह रुपये का अब तक का सबसे निचला स्तर है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में 19 पैसे की गिरावट के साथ रुपया 85. 13 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर पहुंचा। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के 2025 के अनुमानों में बदलाव के चलते उभरते बाजारों की मुद्राओं पर दबाव बढ़ा। डालर का 85 के पार जाने से चिंता बढ़ गई है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए नई चुनौती है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले का असर दुनिया भर के बाजारों पर दिख रहा है। जब जब रुपया कमजोर होता है तो विदेशी निवेशक पर इसका असर नजर आ सकता है। भारत में निवेश करने से ये हिचकिचा सकते हैं। इसके पीछे की वजह यह है कि उन्हें लगता है कि भविष्य में रुपये का मूल्य और कम हो सकता है, जिसकी वजह से उन्हें नुकसान हो सकता है। इधर रुपये के कमजोर होते ही रुपये को मजबूत करने के लिए सरकार और रिजर्व बैंक कुछ कदम उठा सकते हैं। वे ब्याज दरें बढ़ा सकते हैं। इससे लोगों को लोन लेना महंगा पड़ेगा। कारोबार पर भी इसका असर पड़ता नजर आ सकता है। जानकारों के अनुसार डालर के मुकाबले रूपये में गिरावट अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अपनी नीतियों में बदलाव की वजह से ऐसा हुआ है। कोरोना के बाद दुनिया के तमाम देश मंदी की चपेट में आ गए थे। उससे उबरने के लिए सभी ने अपने–अपने तरीके से उपाय किए। अमेरिकी फेडरल ने अपनी ब्याज दरों में कटौती कर उसे साढ़े चार फीसद पर ला दिया है। इस तरह डालर की स्थिति मजबूत हुई है। यह भी कहा जा रहा है कि जब से राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की विजय हुई

है, निवेशकों को लगने लगा है कि वहां निवेश करना सबसे फायदेमंद है। इसलिए बहुत सारे निवेशकों ने भारत से पैसे निकाल कर अमेरिका का रुख कर लिया। इससे विदेशी मुद्रा भंडार में भी छीजन दर्ज शुरू हो गई। पिछले कुछ समय तक डालर के मुकाबले रुपए की कीमत में गिरावट लगभग रुकी हुई थी, तब विशेषज्ञों ने कहना शुरू कर दिया कि सरकार विदेशी मुद्रा भंडार से डालर की निकासी करके रुपए की कीमत को रोक रखा है। मगर अब वह तरीका भी शायद काम नहीं आ रहा।अब डालर के मुकाबले रुपए की कीमत में गिरावट का असर व्यापार, पर्यटन, शिक्षा आदि पर पड़ेगा। भारत अपनी जरूरत का अधिकतर ईंधन तेल दूसरे देशों से खरीदता है। ऐसे में जब भी कच्चे तेल की कीमत बढ़ती है, तो सरकार का खर्च बढ़ जाता है। इसके अलावा, दवाइयों के लिए कच्चा माल, खाद्य तेल, इलेक्ट्रानिक साजो–सामान आदि के लिए भी हम दूसरे देशों पर निर्भर है। विदेश पढ़ने गए विद्यार्थियों और पर्यटकों की जेब पर बोझ बढ़ जाता है। इसलिए रुपए की कीमत का गिरना चिंताजनक होता है। सरकार द्वारा लगातार व्यापार घाटा पाटने के लिए कई विदेशी वस्तुओं के आयात पर रोक लगाने और देसी वस्तुओं को प्रश्रय देने की कोशिश की गई, इसका कुछ असर भी हुआ। मगर फिर भी व्यापार घाटा कम नहीं हो पा रहा। खासकर चीन के साथ हमारा व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है। यही नही महंगाई पर काबू पाने के मकसद से रिजर्व बैंक ने लगातार रेपो दर को ऊंचा बनाए रखा है, मगर स्थिति यह है कि बाजार में पूंजी का अपेक्षित प्रवाह नहीं बन पा रहा। इसकी बड़ी वजह लोगों की आय में बढ़ोतरी न हो पाना है। पिछले कुछ समय से हमारी विकास दर और उसमे विनिर्माण क्षेत्र की स्थिति संतोषजनक नहीं है। ऐसे में डालर की आवक कम हुई है। इस स्थिति में रुपए की कीमत घटनी शुरू हो जाती है। भारत में यह सिलसिला लगातार बना हुआ है। इससे अर्थव्यवस्था को लेकर चिंता बढ़नी स्वाभाविक है। सरकार अर्थव्यवस्था को पांच लाख करोड़ डालर तक ले जाने को संकल्पित है, मगर रुपए की गिरावट का रुख देखते हुए इसका भरोसा नहीं बन पाता। कुल मिलाकर यह कि अब सरकार को प्रति व्यक्ति कम आय बढ़ोत्तरी, कृषि क्षेत्र पर उदारता और बेरोजगारी की विस्फोटक स्थिति पर काबू करना होगा।

हाउस अरेस्टिंग डिजिटल क्रांति का काला और स्याह पहलू

संजीव ठाकुर

डिजिटल क्रांति का स्वरूप मानवीय जीवन में एक नया और क्रांतिकारी परिवर्तन लेकर आया है। व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम ने आमजन की जीवन शैली ही बदल कर रख दी है। इस क्रांति ने देश और विदेश की दूरियों को एकदम कम कर दिया इसके अनेक लाभ तो है ही साथ ही जीवन में अनेक परेशानियां तथा दहशत को जन्म दिया है । इंटरनेट की सेवाओं से उपजा हाउस अरेस्टिंग का मायाजाल कभी एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट कभी कस्टम ऑफिसर और कभी पुलिस अधिकारी बनकर लोगों को डरा धमका कर हाउस अरेस्ट कर आमजन के संचित कोष को लूटने में लगा है इसके अलावा पीड़ित व्यक्ति का समय दशरथ और डर गुजरता है मामला गंभीर है और चिंतनीय भी। इसका निदान तत्काल प्रभाव से किया जाना आवश्यक होगा अन्यथा हाउस अरेस्टिंग एक बड़े सामाजिक अभिशाप के रूप में सामने आने लगा है। 21वीं सदी इंटरनेट और वेब मीडिया युग की शताब्दी मानी जा रही है इसलिए सूचना के आदान–प्रदान जनमत तैयार करने विभिन्न क्षेत्रों और संस्कृति को आपस में जोड़ने तथा भागीदार बनाने में सोशल नेटवर्किंग एक बेजोड़ उपकरण की तरह उभरी है। सोशल नेटवर्किंग साइट आज स्टेटस सिंबल भी बन गई है। इसमें जितनी अच्छाइयां हैं दूसरी तरफ उतनी ही बड़ी परेशानी का सबब भी है। आज इस युग में सोशल मीडिया ने विश्व के लोगों को जोड़कर एक ऐसे नए नागरिक का जन्म किया है, जो स्वयं तो जागरूक है दूसरों को भी जागरूक कर रहा है पर इससे बच्चे ही आने वाली पीढ़ी के नागरिक मानसिक द्वंद और वयस्क दुनिया में अचानक प्रवेश कर जाते हैं। इसके अलावा मानसिक रोगों को जन्म देने वाली भी यह एक बड़ी मशीन है। आज गांव से लेकर शहर तक हर आदमी सोशल मीडिया के प्रयोग से ग्रसित है और मानसिक संतुलन खोने की स्थिति तक पहुंच चुका है। परिवार के अभिभावकों द्वारा बच्चों से मोबाइल छीन लेने पर बच्चों के आत्महत्या के प्रकरण में बहुत ज्यादा इजाफा हुआ है। वर्तमान में सोशल नेटवर्किंग साइट इंटरनेट का एक अभिन्न हिस्सा है जिसका उपयोग विश्व के अरबों लोगों द्वारा किया जा रहा है। यह एक ऑनलाइन मंच है जो सार्वजनिक प्रोफाइल बनाने तथा वेबसाइट पर उपयोगकर्ताओं के साथ सहभागी होने की अनुमति देता है। फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, लिंकडेन, इंस्टाग्राम और न जाने कितने ऐसे साइट्स हैं जो दुनिया भर के लोगों को एक दूसरे से अनायास जोड़ देते हैं। इंटरनेट के जरिए विश्व के अनेक देशों की दूरियां पलक झपकते खत्म हो जाती है। वैश्विक नागरिक जन अब इंटरनेट मीडिया नामक एक आभासी देश के नागरिक बन चुके हैं। फेसबुक का आविष्कार 2004 में और ट्विटर का आविष्कार 2006 में हुआ है। फेसबुक के निर्माता मार्क जुकरबर्ग ने फेसबुक का निर्माण कर दुनिया में तहलका मचा दिया है। फेसबुक का इस्तेमाल विश्व के अरबों लोगों द्वारा किया जाता है। यह दुनिया का सबसे लोकप्रिय साइट है। भारत की विशाल जनसंख्या को देखते हुए फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम के बड़े उपयोगकर्ता भारत में निवास करते हैं। आंकड़ों की मानें तो भारत में ही 350 मिलियन सोशल नेटवर्किंग के ग्राहक हैं, और 2023 में इनकी संख्या 450 मिलियन होने की संभावना है। एक गणना के अनुसार भारत में लोग सोशल मीडिया पर 24 घंटे गुजारते हैं जबकि भारत से समृद्ध देश जापान के लोग केवल 47 से 50 मिनट तक की सोशल मीडिया पर उपस्थित रहते हैं। सोशल मीडिया नेटवर्किंग कोई भी सकारात्मक रूप से लें इसके बहुत फायदे हैं, इसके फायदे की जद में न सिर्फ बच्चे बल्कि शिक्षक, व्यवसाई, न्यूजपेपर, मीडिया चौनल आदि भी हैं जिसका परिणाम सोशल मीडिया एक विशाल नेटवर्क बन गया है।ये पूरे विश्व को जोड़कर रखने में सक्षम है। इसके अलावा यह संचार का अच्छा माध्यम होने के साथ–साथ बहुत तेज गति से सूचनाओं का आदान–प्रदान भी करता है। भौगोलिक तथा सांख्यिकी रूप से विशाल देश भारत में जन जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए इसको अभियान की तरफ अपनाया गया है। इसके अलावा यह रोजगार प्रदान करने वाला माध्यम भी बन गया है। यह शिक्षा तथा ज्ञान का एक विशिष्ट माध्यम बन गया है। एक झटके में एक क्लिक से विश्व की कोई भी जानकारी इसमें तत्काल उपलब्ध हो जाती है। सोशल नेटवर्किंग का सबसे ज्यादा फायदा कोविड–19 के संक्रमण काल में करुणा की महामारी को रोकने के लिए इस संबंध में बचाव कार्यक्रमों के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए हुआ है। अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, कनाडा, इजराइल,ऑस्ट्रेलिया जैसे सक्षम देश में महामारी से लाखों लोगों की मौत हुई किंतु सोशल नेटवर्किंग के बलबूते पर भारत शासन ने कोविड–19 की महामारी में विशाल जनसंख्या के होते हुए भी प्रभावी नियंत्रण पा लिया है। सोशल नेटवर्किंग की इस सदी की सबसे बड़ी मानवीय सहायता है। भारत देश के अच्छे कार्यों तथा चीन और पाकिस्तान के गलत तरीके से भारत की सीमा में घुसने के समाचारों को सोशल नेटवर्किंग से प्रचारित प्रसारित कर भारत को वैश्विक समर्थन आप करने में सोशल मीडिया का बहुत बड़ा सहयोग रहा है। भारत के प्रध ाानमंत्री वैश्विक स्तर पर दूसरे नंबर के सर्वाधिक लोकप्रिय व्यक्ति भी सोशल मीडिया के कारण ही बने हैं। पर यदि सोशल मीडिया के नकारात्मक पहलू पर अपन चर्चा ना करें तो यह बात अधूरी रह जाएगी, सोशल मीडिया का ज्यादा प्रयोग मानव मस्तिष्क को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है, जिससे व्यक्ति के डिप्रेशन में जाने की संभावना हो सकती है। सोशल मीडिया साइबर क्राइम को बढ़ावा देता है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है यहां हर संप्रदाय तथा धर्म के लोग निवास करते हैं ऐसे में सोशल मीडिया फर्जी न्यूज तथा भड़काऊ भाषण फैलाने में एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इससे देश में स्थिरता एवं सांप्रदायिक दंगे फैलने की संभावना बलवती होती है। इसके अलावा साइबर अपराध का भी एक बड़ा माध्यम बन गया है। सोशल मीडिया का अधिक उपयोग मनुष्य के शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य को बहुत ज्यादा प्रभावित करता है एवं मनुष्य की स्मरण शक्ति सोचने की शक्ति विश्वास की प्रवृत्ति ध ीरे–धीरे कमजोर होते लगती है, और इसके अनियंत्रित प्रयोगों से व्यक्ति कि व्यक्ति से दूरी बढ़ते जा रही है। साइबर स्कैम या अपराध सोशल मीडिया की सबसे बड़ी नकारात्मक बात है। फेसबुक तथा ट्विटर सबसे ज्यादा धार्मिक भावनाओं और राष्ट्रीय प्रतीकों का अपमान का निषेध करने वालों कानूनों का उल्लंघन करता है। सोशल नेटवर्किंग आज की स्थिति में सामाजिक सौहार्द के सामने सोशल मीडिया एक चुनौती बनकर खड़ा है। जो अनेक भ्रांतियां तथा भ्रम फैलाने का काम करता है। इस तरह सोशल मीडिया नेटवर्क ज्ञान, धन अर्जन एवं अच्छे कामों के लिए सरकार का सुलभ माध्यम है पर इसके दुरुपयोग से इसकी विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े हुए हैं। सोशल नेटवर्किंग अब जीवन का एक आवश्यक हिस्सा बन चुका है अतः आवश्यक है कि निजता के अधिकार का उल्लंघन किए बिना सोशल मीडिया के दुरुपयोग को रोकने के लिए हम सबको नए विकल्पों की खोज करनी चाहिए,

किसानो कि बुलंद आवाज़ थे चौधरी चरण सिंह

रमेश सर्राफ धमोरा

देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह एक व्यक्ति नहीं विचारधारा थे। चौधरी चरण सिंह ने हमेशा यह साबित करने की कोशिश की थी कि किसानों को खुशहाल किए बिना देश का विकास नहीं हो सकता। उनकी नीति किसानों व गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने की थी। वो कहते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों और खलिहानों से होकर गुजरता है। उन का कहना था कि भ्रष्टाचार की कोई सीमा नहीं है। जिस देश के लोग भ्रष्ट होंगे वो देश कभी तरक्की नहीं कर सकता। चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर 1902 को गाजियाबाद जिले के नूरपुर गांव के चौधरी मीर सिंह के घर हुआ था। बाद में उनका परिवार नूरपुर से जानी खुर्द गांव आकर बस गया था। 1928 में चौधरी चरण सिंह ने आगरा विश्वविद्यालय से कानून की शिक्षा लेकर गाजियाबाद में वकालत प्रारम्भ की। 1930 में महात्मा गांधी द्वारा नमक कानून तोड़ने के आह्वान पर चरण सिंह ने हिण्डन नदी पर नमक बनाया जिस पर उन्हे 6 माह जेल की सजा हुई। 1940 के व्यक्तिगत सत्याग्रह में भी चरण सिंह गिरफ्तार किये गये। 1942 में अगस्त क्रांति के माहौल में चरण सिंह को गिरफ्तार कर डेढ़ वर्ष की सजा हुई। जेल में ही चौधरी चरण सिंह की लिखित पुस्तक शिष्टाचार भारतीय समाज में शिष्टाचार के नियमों का एक बहुमूल्य दस्तावेज है। चौधरी चरण सिंह खुद एक छोटे से गांव में एक किसान के घर जन्मे थे। बचपन से ही उन्होंने गांव के किसानों, गरीबों के दुखः दर्द को नजदीकी से देखा जाना था। इसलिये उन्हें उनकी समस्याओं का बखूबी अहसास था। उनको जब कभी कहीं भी मौका मिलता वे गांव के किसानों की सेवा करने से नहीं चूकते थे। उनके दिल में हमेशा गांव के किसान ही बसे रहते थे। चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त गांधी टोपी धारण कर महात्मा गांधी के सच्चे अनुयायी बने रहे। उन्होने किसानों की खुशहाली के लिए खेती पर बल दिया था। किसानों को उनकी उपज का उचित दाम मिल सके इसके लिए भी वो बहुत गंभीर रहते थे। उनका कहना था कि भारत का सम्पूर्ण विकास तभी होगा जब किसान, मजदूर, गरीब सभी खुशहाल होंगे। चौधरी चरण सिंह की गिनती हमेशा एक ईमानदार राजनेता के तौर पर की

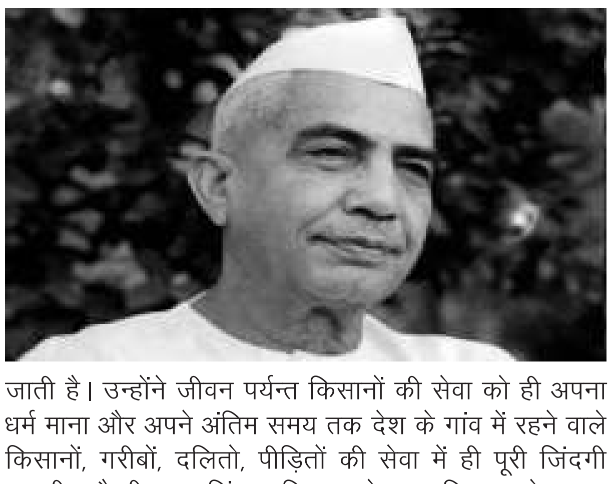

जाती है। उन्होंने जीवन पर्यन्त किसानों की सेवा को ही अपना धर्म माना और अपने अंतिम समय तक देश के गांव में रहने वाले किसानों, गरीबों, दलितो, पीड़ितों की सेवा में ही पूरी जिंदगी गुजारी। चौधरी चरण सिंह जाति प्रथा के कट्टर खिलाफ थे। आज देश के किसान कर्ज में डूबे हुये हैं। उनको उनकी उपज का पूरा दाम नहीं मिल पाता है। अपनी खराब आर्थिक स्थिति के चलते देश में बड़ी संख्या में किसान आत्महत्या करने को मजबूर हो रहे हैं। केन्द्र व राज्य सरकारें भी किसानो के भले की योजनायें बना पाने में नाकाम रही है। चुनाव के समय राजनीतिक पार्टियां किसानो को झांसा देकर उनके वोट बटोर लेती है। फिर किसी का ध्यान किसानो की समस्याओं के समाधान करने की तरफ नहीं जाता है। ऐसे में आज देश के किसानों को चौधरी चरणसिंह जैसे सच्चे किसान हितैषी नेता की जरूरत है। जो उनके हक में खड़ा होकर किसानों की आवाज बुलन्द कर सके व उनका वाजिब हक दिला सके। चौधरी चरण सिंह भारतीय राजनीति में एक बड़े नेता थे। मगर इंदिरा गांधी के सहयोग से कुछ समय के लिये देश के प्रधानमंत्री बन कर उन्होंने देश में पहली बार कांग्रेस के खिलाफ बने एक मजबूत गठबंधन को तोड़ा था। उससे उनकी प्रतिष्ठा को भी गहरा आघात पहुंचा था। चौधरी चरण सिंह को 1951 में उत्तर प्रदेश सरकार में न्याय एवं सूचना विभाग का कैबिनेट मंत्री बनाया गया। 1952 में डॉक्टर सम्पूर्णानंद के मुख्यमंत्रित्व काल में उन्हें राजस्व तथा कृषि विभाग का दायित्व मिला। एक जुलाई 1952 को उत्तर प्रदेश में उनके बदौलत जमींदारी प्रथा का उन्मूलन हुआ और गरीबों को खेती करने के अधिकार मिले। 1954 में उन्होने किसानों के हित में उत्तर प्रदेश भूमि संरक्षण कानून को पारित कराया। चरण सिंह स्वभाव से भी कृषक थे तथा कृषक हितों के लिए अनवरत प्रयास करते रहे। 1960 में चंद्रभानु गुप्ता की सरकार में उन्हें गृह तथा कृषि मंत्री बनाया गया। उत्तर प्रदेश के किसान चरण सिंह को अपना रहनुमा मानते थे। उन्होंने कृषकों के कल्याण के लिए काफी कार्य किए। लोगों के लिए वो एक राजनीतिज्ञ से ज्यादा सामाजिक कार्यकर्ता थे। उनके भाषण को सुनने के लिये उनकी जनसभाओं में भारी भीड़ जुटा करती थी। किसानों में चौधरी साहब के नाम से मशहूर चौधरी चरण सिंह 3 अप्रैल 1967 में पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। तब 1967 में पूरे देश में साम्प्रदायिक दंगे होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में कहीं पत्ता भी नहीं हिल पाया था। 17 फरवरी 1970 को वे दूसरी बार मुख्यमंत्री बने।

’लघुकथा’
’कर्तव्य’

एक महिला बाहर से पल्लवी के दरवाजा के कोलिंग बेल बजाते हुए ‘ओ बहन जी ! ओ बहन जी !’ कह पुकार रही थी। पल्लवी घर में लगे कंस्ट्रक्शन वर्ग , रिश्तेदार भाई और बीमार बेटी के सत्कार में लगी हुई थी।

अनजान महिला को देखकर पल्लवी ने पूछा, ‘क्या चाहिए बहन जी?’ महिला के साथ आयी एक युवती ने बोली,‘हमलोग बहुत दूर से और हम लोग गाँव में सामाजिक तौर पर सत्यनारायण भगवान की पूजा के लिए चंदा इकठ्ठा करने के उद्देश्य आए हैं बहन जी। आप लोग भीतर आकर बैठिये’– कहकर पल्लवी धनराशि लाने जाती है। इधर रिश्तेदार भाई को दोपहर का भोजन परोस कर पल्लवी घर के अलमारी से धनराशि निकालकर उस आए हुए महिला को देती है। महिला ने पल्लवी से बोली, ‘हम सुबह से निकले हैं कुछ नहीं खाएं है हो सके तो चाय पिलाइए। ठीक है आप लोग बैठिए, मैं तुरंत चाय बनाकर लाती हूँ’– पल्लवी ने कहा। गैस पर चाय बैठाकर प्लेट में मिठाई तथा पकवान सजाती हुई पल्लवी बीच –बीच में अपनी बच्ची को भी देखती रहती है। चाय पिलाकर और प्रणाम करती हुई पल्लवी महिला से बिदा ले रही थी कि महिला बोल उठी,‘ मैं आपकी हृदय की भावना को पूजती हूँ,घर में विपरीत परिस्थितियों के बाद भी आपने हमारी सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ी। नहीं दीदी, यह तो हमारा कर्तव्य था पल्लवी कहकर नमस्कार करतीं है।

रचनाः संतोष कुमार महतो
हिंदी सेवी, विश्वनाथ चारिआलि, विश्वनाथ,
असम –784176
मोः 7896611494

निमरत कौर

ने मनाया विश्व साड़ी दिवस, कहा- हर साड़ी एक कहानी कहती है

"विश्व साड़ी दिवस हर साल २१ दिसंबर को मनाया जाता है, जो साड़ी की सुंदरता, सांस्कृतिक महत्व और स्थायी विरासत के लिए वैश्विक स्तर पर समर्पित है। यह दिन दुनिया भर के लोगों को साड़ी का सम्मान करने के लिए एक साथ लाता है, एक ऐसा परिध ाान जो सदियों से भारतीय परंपरा का प्रतीक है। पिछले कुछ हफ्तों से अभिनेत्री दसवीं के सह-कलाकार अभिषेक बच्चन के साथ अपने कथित लिंकअप की अफवाहों के कारण सुर्खियों में हैं।

विश्व साड़ी दिवस के अवसर पर शनिवार को अभिनेत्री निमरत कौर ने सोशल मीडिया पर एक संदेश साझा किया। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें पोस्ट की, जिसमें वह एक खूबसूरत काली साड़ी में दिखाई दे रही हैं। अलग–अलग पोज देते हुए अभिनेत्री ने खुद के वीडियो भी शेयर किए। अभिनेत्री ने तस्वीरों के साथ लिखा, हर साड़ी एक कहानी कहती है। क्या आप मेरी कहानी पढ़ सकते हैं? अभिनेत्री कौर की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए एक फैन ने लिखा, सुंदरता। दूसरे फैन ने कहा, कितनी प्यारी फोटो है! विश्व साड़ी दिवस हर साल 21 दिसंबर को मनाया जाता है, जो साड़ी की सुंदरता, सांस्कृतिक महत्व और स्थायी विरासत के लिए वैश्विक स्तर पर समर्पित है। यह दिन दुनिया भर के लोगों को साड़ी का सम्मान करने के लिए एक साथ लाता है, एक ऐसा परिधान जो सदियों से भारतीय परंपरा का प्रतीक है। पिछले कुछ हफ्तों से अभिनेत्री दसवीं के सह–कलाकार अभिषेक बच्चन के साथ अपने कथित लिंकअप की अफवाहों के कारण सुर्खियों में हैं। हालांकि, बच्चन परिवार के एक करीबी सूत्र ने अफवाहों को तुरंत खारिज करते हुए उन्हें शरारती, दुर्भावनापूर्ण और पूरी तरह से बकवास बताया। अभिनेत्री को आखिरी बार फिल्म सजनी शिंदे का वायरल वीडियो में देखा गया था, जहां उन्होंने बेला बरोट का किरदार निभाया था। मिखिल मुसले द्वारा निर्देशित मिस्ट्री थ्रिलर में राधिका मदान, भाग्यश्री और सुबोध ा भावे भी हैं। कथित तौर पर कौर को अक्षय कुमार, सारा अली खान और वीर पहारिया अभिनीत आगामी फिल्म स्काई फोर्स में एक महत्वपूर्ण भूमिका में लिया गया है। वह इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण किरदार निभाएंगी, जो अगले साल रिलीज होने वाली है।

पीच कलर की शॉर्ट बॉडीकॉन ड्रेस जाह्नवी कपूर का बवाल लुक, दिलकश अदाओं से फैंस को किया कायल

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपने फैशन सेंस और ग्लैमरस अवतार के लिए जानी जाती हैं। कोई इवेंट हो या पार्टी वह हमेशा अपने लुक से फैंस का दिल जीत लेती हैं। इसी बीच बीती रात उन्हें एनएसएसीसी आर्ट्स कैफे की प्रीव्यू नाइट में स्पॉट किया गया, जहां वो अपने स्टनिंग लुक से लाइमलाइट चुराती नजर आईं। इस लुक की तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी शेयर की हैं, जो खूब वायरल हो रही हैं।इन तस्वीरो में जाह्नवी कपूर पीच कलर की शॉर्ट बॉडीकॉन ड्रेस में काफी ग्लैमरस लग रही हैं। ग्लोसी लिप्स, मैचिंग आईशेडो, इयररिंग्स और खुले बाल उनके लुक को चार–चांद लग रहे हैं। इस शॉर्ट ड्रेस में वह अपनी टोन्ड लेग्स फ्लॉन्ट कर रही है और क्रिस्मस ट्री के पास खड़े होकर एक से बढ़कर एक दिलकश पोज दे रही हैं। एक्ट्रेस का यह लुक उनके फैंस को खूब पसंद आ रहा है। कोई उनकी खूबसूरती तो कोई उनके स्टाइल की तारीफ कर रहा है।काम की बात करें तो जाह्नवी कपूर के पास मिस्टर एंड मिसेज माही, देवरा और बवाल जैसी अपकमिंग फिल्में हैं।

स्कूल बंक किया करते थे अमिताभ बच्चन, केबीसी में खुलासा कर बोले बिग बी- हम पढ़ाई-लिखाई में एकदम जीरो थे

महानायक अमिताभ बच्चन इन दिनों अपने गेम शो, 'कौन बनेगा करोड़पति सीजन 16' को होस्ट कर रहे हैं और वो अपने शो में आए दिन कोई न कोई दिलचस्प खुलासा करते रहे हैं। अब हाल ही में बिग बी ने बताया कि वह सिर्फ क्लास ही नहीं, बल्कि स्कूल भी बंक किया करते थे।इस सप्ताह केबीसी के शो में जिज्ञासु जसपाल ने अमिताभ बच्चन से पूछा, "फिल्म मोहब्बतें में आपने प्रिंसिपल की भूमिका निभाई थी, जहां आपने ऐसा किरदार निभाया था जो 'परंपरा, प्रतिष्ठा, अनुशासन' को महत्व देता था। मैं उत्सुक हूं– अगर आप सचमुच प्रिंसिपल होते, तो क्या आप इतने सख्त होते? और, क्या आपने कभी क्लास बंक की थी?"अमिताभ बच्चन ने हंसते हुए जवाब दिया, "आपको यह विचार कहां से आया कि मैं प्रिंसिपल बन सकता हूं? पढ़ाई – लिखाई में एकदम जीरो थे हम... इसलिए मैं कभी प्रिंसिपल नहीं बन सकता। लेकिन हां, मेरे स्कूल में प्रिंसिपल बहुत सख्त थे। मैं न केवल क्लास, बल्कि स्कूल से भी बंक करता था! मैं नैनीताल के एक बोर्डिंग स्कूल में था और हम कैंपस से बाहर नहीं जा सकते थे। लेकिन रात में, जब सब सो जाते थे, तो मैं चुपचाप बाहर निकल जाता। यदि मैं पकड़ा जाता, तो मुझे सजा मिलती।जसपाल आगे कहते हैं, "उस मूवी में, आपके छात्रों ने भी यही किया था, है ना?" अमिताभ बच्चन ने सिर हिलाते हुए कहा, "हां, और जब वे पकड़े गए तो उन्हें भी सजा मिली!" इस सप्ताह, कौन बनेगा करोड़पति सीजन 16 में इंडिया चौलेंजर वीक रात 9 बजे, केवल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होगा।

अल्लू अर्जुन के घर पर हमला करने वाले आरोपियों को जमानत

तेलुगु अभिनेता अल्लू अर्जुन के जुबली हिल्स स्थित घर में घुसकर संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोपी छह लोगों को हैदराबाद की एक अदालत ने सोमवार को जमानत दे दी। इस बीच, बीआरएस के एक नेता ने चौंकाने वाला दावा किया कि संदिग्धों में से एक रेड्डी श्रीनिवास तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का सहयोगी था। अभी तक न तो रेवंत रेड्डी और न ही किसी कांग्रेस नेता ने इस आरोप पर कोई प्रतिक्रिया दी है। आरोपी, जो उस्मानिया विश्वविद्यालय की संयुक्त कार्रवाई समिति (ञ्श्र।ब्) के सदस्य हैं, ने अभिनेता के जुबली हिल्स स्थित घर में जबरन घुसने का प्रयास किया। उन्होंने 35 वर्षीय महिला के परिवार को मुआवजे के रूप में 1 करोड़ रुपये की मांग की, जिसकी 4 दिसंबर को शहर के संध्या थिएटर में भगदड़ के दौरान मौत हो गई थी, जहां अभिनेता अपनी हालिया रिलीज श्पुष्पा 2रू द रूलश के प्रीमियर के लिए पहुंचे थे। आज सुनवाई के दौरान पुलिस ने छह आरोपियों को न्यायाधीश के समक्ष पेश किया। इसके बाद उन्हें जमानत दे दी गई और उनसे 10,000–10,000 रुपये और दो जमानतें जमा करने को कहा गया। तीन दिनों के भीतर जमा करने के आदेश जारी किए जाएंगे। बीआरएस नेता कृष्णक ने आरोप लगाया है कि श्रीनिवास रेवंत रेड्डी के ष्करीबी सहयोगीष थे और 2019 के जिला परिषद प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र (जेडटीपीसी) चुनावों में कोडंगल कांग्रेस के उम्मीदवार थे। कृष्णक ने रविवार को ट्वीट किया और लिखा ष्ओयूजेएसी ने 2009 में महान तेलंगाना आंदोलन शुरू किया था। हिंसा और ब्लैकमेल के लिए इसका इस्तेमाल करना घृणित है। अल्लू अर्जुन के आवास पर हमला करने वाले रेड्डी श्रीनिवास उस्मानिया विश्वविद्यालय के छात्र नेता नहीं हैं। वह रेवंत के करीबी सहयोगी और 2019 के जेडपीटीसी चुनाव के कोडंगल कांग्रेस के उम्मीदवार हैं। कृष्णक ने रविवार को ट्वीट किया और आरोपी की तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें से एक में उन्हें मुख्यमंत्री के साथ पोज देते हुए दिखाया गया। रविवार की घटना के एक वीडियो में कई लोग अल्लू अर्जुन के घर के अंदर घुसते और संपत्ति को नुकसान पहुंचाते हुए दिखाई दे रहे हैं। समूह द्वारा परिसर के अंदर रखे फूलों के गमलों को भी नष्ट कर दिया गया। घटना के समय अभिनेता अपने आवास पर मौजूद नहीं थे। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने परिसर में तख्तियां लेकर चढ़ाई की और नारेबाजी शुरू कर दी। उन्होंने घर की ओर टमाटर भी फेंके। पुलिस ने कहा कि जब अल्लू अर्जुन के सुरक्षा कर्मचारियों ने विरोध किया और उन्हें दीवार से नीचे उतरने के लिए राजी किया, तो विवाद शुरू हो गया। रेवंत रेड्डी ने हमले की निंदा की और पुलिस को कानून–व्यवस्था के संबंध में सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। यह हमला अल्लू अर्जुन द्वारा अपने प्रशंसकों से ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से अपमानजनक भाषा या व्यवहार से बचने का आग्रह करने के कुछ घंटों बाद हुआ, जो संध्या थिएटर भगदड़ मामले से संबंधित उनके खिलाफ नए आरोपों के बीच था। रेवती के रूप में पहचानी गई महिला की भगदड़ में मौत हो गई, जबकि उसका आठ वर्षीय बेटा घायल हो गया और उसका हैदराबाद के एक निजी सुपर–स्पेशलिटी अस्पताल में इलाज चल रहा है। अल्लू अर्जुन को भगदड़ के बाद गिरफ्तार किया गया था, लेकिन उसी दिन तेलंगाना उच्च न्यायालय ने उन्हें चार सप्ताह की अंतरिम जमानत दे दी थी।

सनी लियोन

को मिला सरकारी लाभ.. सब हुए हैरान! छत्तीसगढ़ सरकार देगी हर महीनें 1000 रुपये, जानें पूरा मामला क्या है?

छत्तीसगढ़ के अधिकारियों को आर्थिक रूप से कमज़ोर विवाहित महिलाओं के लिए एक सरकारी योजना के तहत एक अप्रत्याशित लाभार्थी मिला। लाभार्थी सनी लियोन थीं, जबकि उनके पति का नाम जॉनी सिन्स के रूप में दर्ज था, जो एक वयस्क फिल्म स्टार हैं। जांच में पाया गया कि बस्तर के एक व्यक्ति ने इस योजना के तहत लाभ का दावा करने के लिए अभिनेत्री के नाम पर जाली दस्तावेज़ बनाए, जो महिलाओं को हर महीने 1,000 रुपये प्रदान करता है। अधिकारियों द्वारा विसंगति को नोटिस किए जाने के बाद, बस्तर कलेक्टर हारिस एस ने महिला एवं बाल विकास विभाग को मामले की जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित बैंक खातों को फ्रीज करने, गलत तरीके से इस्तेमाल किए गए धन की वसूली करने और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का भी आदेश दिया। इसके बाद जांच शुरू की गई और पाया गया कि वीरेंद्र जोशी नामक अपराधी ने महतारी वंदन योजना के लिए पंजीकरण करने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता वेदमती जोशी से संबंधित जाली दस्तावेज़ों का इस्तेमाल किया। उसने फर्जी खाते से धन अपने खाते में ट्रांसफर कर लिया। रिकॉर्ड से पता चला है कि व्यक्ति को मार्च 2024 से हर महीने पैसे मिल रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि सरकार को धोखा देने के लिए वीरेंद्र जोशी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा रही है। उसका बैंक खाता फ्रीज कर दिया गया है और वसूली की कार्यवाही शुरू हो गई है। चूक के लिए जिम्मेदार वेदमती जोशी और सुपरवाइजर के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की भी सिफारिश की गई है। 2024 में शुरू की गई महतारी वंदन योजना का उद्देश्य 21 वर्ष से अधिक उम्र की विवाहित, विधवा, तलाकशुदा या परित्यक्त महिलाओं सहित आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को 1,000 रुपये मासिक प्रदान करना है। पात्रता मानदंडों में गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों से संबंधित होना और सरकारी नौकरियों में कोई भी तत्काल परिवार का सदस्य न होना शामिल है।

मिनटों में ऊनी कपड़ों से हटाएं रोएं, जाने देसी तरीका

सर्दी के मौसम में ऊनी कपड़ों में रोएं लगना आम बात है। अगर आपके कपड़ों में भी रोएं लग रहे हैं और आप इससे परेशान हैं, तो इस देसी हैक के जरिए आप रोएं को हटा सकते हैं, साथ ही सावधानी बरतने की भी जरुरत है। आइए आपको बताते हैं कैसे ऊनी कपडों से रोएं हटाएं।

दिसंबर का महीना आधा बीत चुका है लेकिन कड़ाके की सर्दी पूरे भारत में अब शुरु होगी। वहीं पहाड़ों पर भी बर्फबारी हो रही है। ठंड के दौरान ऊनी कपड़ें ही गर्माहट देते है। सर्दी बचने के लिए गर्म कपड़े ही सहारा देते है। लेकिन, गर्म कपड़ें में रोएं लगने से हर कोई परेशान रहता है। अगर इस समस्या से आप भी परेशान हैं तो आप इन देसी हैक से रोएं को हटा सकते है। इन आसान हैक के जरिए आप रोएं को हटा सकते हैं और आपको सावधानी बरतनी भी काफी जरुरी है। रोएं से कपड़ा खराब हो रहा है तो आप कंघी से यह ट्रिक ट्राई कर सकते है।

क्यों निकालते हैं रोएं

– अगर आप कपड़ों को गलत तरीके से धोएंगे या सूखाने से रोएं निकलने लगते है।

– यदि आप रात को ऊनी कपड़े पहनकर सोते हैं, तो रोएं निकालते है।

– ऊनी कपड़ों को गर्म पानी में धोने से रोएं निकालते है।

– सस्ती और खराब क्वालिटी का ऊन होने पर भी रोएं निकालते है।

कंघी से कैसे रोएं हटाएं

आप कंघी का मदद से रोएं हटा सकते हैं, यह एक देसी तरीका है। जो सबसे अच्छा माना जाता है। रोएं वाली जगह पर आप कंघी को घुमा सकते है। इससे कंघी में रोएं फसंकर निकाल जाएंगे। आपको केवल पतली कंघी लेनी है।

ये ट्रिक्स काम आएगी

– पैकिंग टेप की मदद से आप रोए निकाल सकते हैं। आपको रोएं पर टेप लगाना होगा।

– ऊनी कपड़ों को विनेगर में भिगोकर रखने से रोएं निकाल जाते हैं।

– शेविंग रेजर की मदद से आप रोएं को निकाल सकते है, इससे कोई नुकसान भी नहीं होगा।

– अगर आपके पास लिंट रिमूवर तो यह और भी बढ़िया है।

ऊनी कपड़े को कैसे धोएं

आप ऊनी कपड़ों को धोने की वजह से न सिर्फ रोएं निकल आते हैं बल्कि इनकी बनावट भी खराब हो जाती है। इन्हें आप केवल ठंडे पानी से ही धोएं। अगर आप वॉशिंग मशीन में ऊनी कपड़े धोते हैं, तो आप वूल या डेलिकेट मोड ऑन करें। विंटर वियर को सही से धोने से कोई परेशानी नहीं आती।

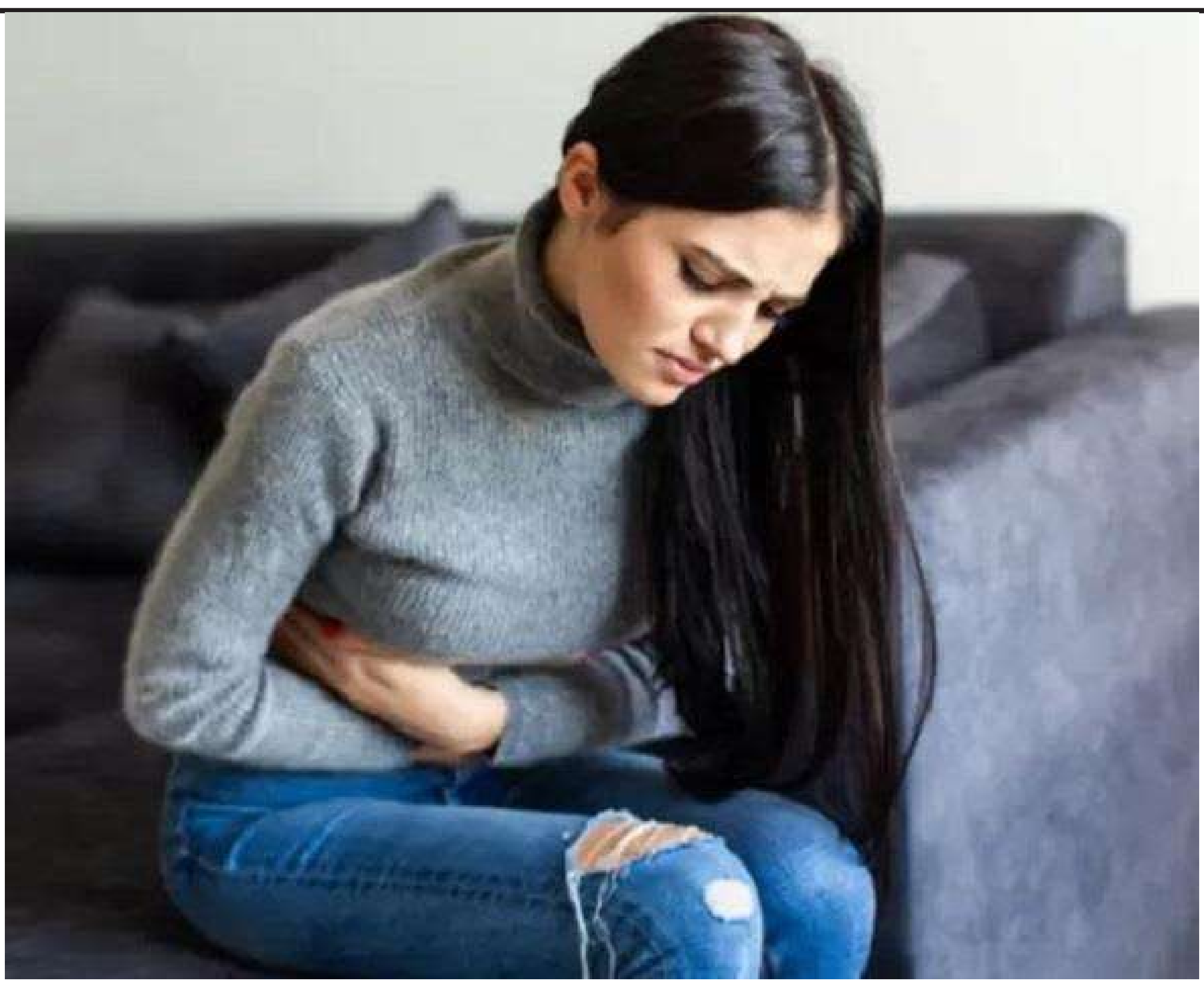

सीने में जलन एसिडिटी को न करें नजरअंदाज, बढ़ सकता है पेट का कैंसर!

अगर पेट में किसी भी तरह की समस्या हो, तो उसे हल्के में न लें, क्योंकि अनदेखा करने से यह गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। कभी–कभी यह स्थिति पेट के कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी का रूप ले सकती है। एसिडिटी, खट्टी डकारें, मोटापा और सीने में जलन जैसी समस्याएं पेट में कैंसर के संकेत हो सकती हैं।

एसिडिटी और इसके खतरनाक असर

एसिडिटी की समस्या अक्सर ऑयली और मसालेदार भोजन खाने या लंबे समय तक पेट खाली रहने के कारण होती है। हम इसे अक्सर हल्का समझते हैं, लेकिन यह कभी–कभी बहुत खतरनाक साबित हो सकती है। लगातार एसिडिटी की समस्या, खट्टी डकारें, मोटापा और सीने में जलन से पेट में कैंसर की कोशिकाएं विकसित हो सकती हैं। पेट में कैंसर ऊपरी हिस्से या निचले हिस्से में हो सकता है, और यह एक जानलेवा बीमारी बन सकती है। अगर समय रहते इसके लक्षणों का इलाज न किया जाए, तो यह जानलेवा भी हो सकता है।

पेट में कैंसर के लक्षण

हार्टबर्न (सीने में जलन) एक आम समस्या हो सकती है, लेकिन यह पेट के अल्सर या बैक्टीरियल इंफेक्शन का भी संकेत हो सकता है। कुछ कैंसर के रोगियों में भी सीने में जलन और एसिड रिफ्लक्स (खट्टी डकारें) जैसी समस्याएं होती हैं। अगर गैस्ट्रिक कैंसर का समय रहते इलाज न किया जाए, तो यह धीरे–धीरे पूरे शरीर में फैलकर जानलेवा हो सकता है।

पेट में कैंसर के कारण

अगर आप बार–बार एसिडिटी की समस्या से जूझ रहे हैं, तो यह पेट में पाइलोरी संक्रमण का कारण बन सकता है। यह संक्रमण पेट के डीएनए को नुकसान पहुंचाता है, जिससे पेट में कैंसर का खतरा बढ़ सकता है।

बचाव के तरीके

1. पेट के कैंसर से बचने के लिए कुछ खास उपाय किए जा सकते हैंरु

2. ऑयली और मसालेदार भोजन से दूर रहें।

3. वजन को नियंत्रित रखने के लिए नियमित व्यायाम और बैलेंस डाइट अपनाएं।

4. रात में सोने से दो–तीन घंटे पहले खाना खाएं।

5. खाने के बाद तुरंत न लेटें, बल्कि थोड़ी देर टहलें।

6. योग और एक्सरसाइज को अपने दैनिक रूटीन में शामिल करें।

7. नशे से बचें, क्योंकि यह सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

पेट के कैंसर का उपचार

अगर पेट के कैंसर का सही समय पर पता चल जाए, तो इसका इलाज संभव है। इसमें सर्जरी, कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी जैसे उपचार शामिल हो सकते हैं।

कब डॉक्टर से संपर्क करें?

अगर किसी व्यक्ति को सीने में जलन की समस्या लंबे समय तक बनी रहती है, या सांस लेने में कठिनाई, काले और चिपचिपे मल, पीलिया, निगलने में दिक्कत या लगातार उल्टियां हो रही हैं, तो यह गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत हो सकता है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

नोटः यह लेख केवल सामान्य जानकारी के लिए है। यह किसी भी प्रकार की दवा या इलाज का विकल्प नहीं है। किसी भी स्वास्थ्य समस्या के लिए हमेशा अपने डॉक्टर से सलाह लें।

क्या आप भी सर्दी में ठंडे पानी से नहाते हैं? जानिए क्यों यह हो सकता है दिल के लिए खतरनाक!

सर्दी का मौसम आते ही लोग अपने दिनचर्या में बदलाव करते हैं। रजाई में लिपटकर सोना, गर्म कपड़े पहनना और गर्म पानी से नहाना आदत बन जाती है। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो सर्दी में भी ठंडे पानी से नहाना पसंद करते हैं, यह सोचकर कि इससे शरीर में ताजगी और ऊर्जा बनी रहती है। हालांकि, हेल्थ एक्सपर्ट्स का मानना है कि सर्दियों में ठंडे पानी से नहाना सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है, और यह हार्ट अटैक जैसे गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकता है।

ठंडे पानी से नहाने से दिल पर असर

ठंड के मौसम में जब तापमान गिरता है, तो शरीर को गर्म रखने के लिए दिल को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। ठंड के प्रभाव में रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं, जिससे शरीर में रक्त प्रवाह कम हो जाता है और दिल को ऑक्सीजन की आपूर्ति भी कम हो जाती है। अगर किसी व्यक्ति की धमनियां पहले से संकरी हैं, तो ठंड के कारण वे और ज्यादा सिकुड़ सकती हैं, जिससे रक्त प्रवाह और भी धीमा हो जाता है। इस स्थिति में हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है।

क्यों बढ़ जाता है सर्दियों में हार्ट अटैक का खतरा?

एक अध्ययन के मुताबिक, सर्दी के मौसम में हार्ट अटैक का खतरा 31: बढ़ जाता है। इसका कारण यह है कि ठंड में शरीर को गर्म रखने के लिए दिल को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। यह समस्या खासतौर पर उन लोगों के लिए ज्यादा जोखिम भरी हो सकती है, जो पहले से ही किसी दिल की बीमारी से पीड़ित हैं। ठंड में जब शरीर पर ठंडा पानी अचानक पड़ता है, तो रक्त वाहिकाएं और धमनियां सिकुड़ने लगती हैं, जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है।

ठंडे पानी से नहाने का प्रभाव

ठंडे पानी से नहाने से शरीर पर कई तरह के प्रभाव हो सकते हैं

ब्लड प्रेशर में वृद्धिः ठंडे पानी से नहाने से रक्त वाहिकाएं संकुचित हो जाती हैं, जिससे रक्त प्रवाह धीमा हो जाता है और ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है।

दिल पर अतिरिक्त दबावः जब रक्त वाहिकाएं सिकुड़ती हैं, तो दिल को रक्त पंप करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, जिससे दिल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है।

हार्ट अटैक का खतराः अगर धमनियों में पहले से ही कोई रुकावट या संकुचन है, तो ठंडे पानी से नहाने पर वे और ज्यादा सिकुड़ सकती हैं, जिससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ सकता है।

ब्रेन स्ट्रोकः अगर रक्त प्रवाह मस्तिष्क तक सही से नहीं पहुंचता, तो ब्रेन स्ट्रोक की समस्या भी हो सकती है।

किसे बचना चाहिए ठंडे पानी से नहाने से?

हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि ठंडे पानी से नहाना उन लोगों के लिए खतरनाक हो सकता है, जो पहले से किसी दिल की बीमारी, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज या ब्रेन स्ट्रोक जैसी समस्या से जूझ रहे हैं। ऐसे लोगों को ठंडे पानी से नहाने से बचना चाहिए। इसके अलावा, बुजुर्गों और बच्चों को भी ठंडे पानी से नहाने से दूर रहना चाहिए, क्योंकि उनकी शरीर की सुरक्षा प्रणाली उतनी मजबूत नहीं होती।

क्या करें, ताकि सेहत बनी रहे?

गर्म पानी से नहाएंः सर्दी में हमेशा गर्म पानी से ही नहाएं, इससे शरीर को आराम मिलेगा और दिल पर दबाव नहीं पड़ेगा।

मध्यम तापमान बनाए रखेंः अगर ठंडे पानी से नहाना पसंद है, तो पानी का तापमान थोड़ा सा ठंडा न रखें, बल्कि गर्मी और ठंडे पानी का संतुलन बनाकर नहाएं।

स्वस्थ आहार और व्यायामः ठंड में शरीर को गर्म रखने के लिए स्वस्थ आहार लें और नियमित व्यायाम करें। यह दिल को स्वस्थ रखने में मदद करेगा।

सर्दी में ठंडे पानी से नहाना ताजगी का अहसास जरूर कराता है, लेकिन यह शरीर पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है, खासकर दिल पर। ठंडे पानी से नहाने से रक्त वाहिकाओं के सिकुड़ने और ब्लड प्रेशर के बढ़ने का खतरा होता है, जो हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक का कारण बन सकता है। इसलिए, सर्दी में अपनी सेहत का ध्यान रखते हुए ठंडे पानी से नहाने से बचना चाहिए, खासकर अगर आपको दिल की बीमारी, हाई ब्लड प्रेशर या अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हैं।

सर्दियों में फटे होंठों को मुलायम बनाने के लिए घी और नारियल तेल से बनाएं लिप बाम

सर्दी के दौरान होठ सबसे ज्यादा फटते है। इस मौसम में होठों को मुलायम और हाइड्रेटेड बनाना काफी मुश्किल होता। सर्द हवाओं के कारण होठ सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। ऐसे में आप घी और नारियल तेल से लिप बाम बना सकते हैं। जिससे आपके होठ भी सॉफ्ट और हाइड्रेटेड रहेंगे। सर्दी में स्किन के साथ ही होठों की केयर करना भी काफी जरुरी है। क्योंकि सर्दी में स्किन के साथ ही होठ भी सबसे ज्यादा ड्राई होते है। कई बार ड्राइनेस के चक्कर में होठों से खून भी निकालने लगता है। वैसे तो बाजार लिप केयर के कई प्रोडक्ट्स मिलते है जैसे कि – लिप बाम, लिप स्क्रब और लिप ऑयल। हालांकि, यह कुछ ही घंटे के लिए ठीक होते हैं। इसके बाद होठ फिर से सूख जाते है। अगर आप अपने होठों का ध्यान रखना चाहती है, तो बता दें कि इस आर्टिकल में हम आपके लिए लेकर आए है सर्दियों में होठ को मुलायम बनाने के लिए घी और नारियल के तेल का बना हुआ लिप बाम।

घी से बनाएं लिप बाम

इसके लिए चुकंदर को कद्दूकस करें और फिर इसे सूती कपड़े डालें और अच्छे से निचोड़ ले। फिर इस रस में घी डालें और अच्छी तरह से मिक्स कर लें। फिर इसे आप एक कंटेनर में डालें और फ्रीजर में कुछ देर के लिए रख दें। आप चाहे तो इसमें विटामिन ई कैप्सूल भी डाल सकते हैं। क्योंकि इसमें चुकंदर का यूज किया जाता है, तो यह बाम आपके गुलाबी होठ कर देगा।

नारियल तेल से बनाएं लिप बाम

नारियल तेल से भी आप लिप बाम बनाकर तैयार कर सकते हैं। सबसे पहले एक चम्मच बीवेक्स को पिघलाएं और इस पिघली वैक्स में एक चम्मच नारियल तेल भी डालें। फिर आप इसमें शहद और विटामिन ई कैप्सूल डालकर अच्छे से मिलाएं। इसे कंटेनर में डालें और फिर इसका प्रयोग कर सकते हैं। बेहतरीन रिजल्ट पाने के लिए स्क्रब इस्तेमाल के बाद इस बाम को लगाएं।

संक्षिप्त

हरियाणा सरकार ने एमएसपी पर खरीदने के लिए 24 फसलों को अधिसूचित किया

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदने के लिए 24 फसलों को अधिसूचित किया है। इससे 14 कृषि उपजों की सूची का विस्तार हुआ है जो पहले सार्वजनिक खरीद प्रणाली के तहत गारंटीकृत दरों के लिए पात्र थे। पिछली सरकार के राज्य मंत्रिमंडल ने पहले ही एमएसपी पर 10 अतिरिक्त फसलों को खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। उस सरकार के प्रदेश मंत्रिमंडल की अध्यक्षता भी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की थी। अतिरिक्त फसलों के लिए एमएसपी पर निर्णय की घोषणा अक्टूबर में विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले पांच अगस्त को की गई थी। अगस्त तक सरकारी एजेंसियां घ्घ्14 फसलों की एमएसपी पर खरीद करती थीं। नवीनतम अधिसूचना 19 दिसंबर की है। इसके अनुसार, तत्कालीन मंत्रिपरिषद ने पांच अगस्त को अपनी बैठक में रागी, सोयाबीन, नाइजरसीड, कुसुम, जौ, मक्का, ज्वार, जूट, खोपरा और ग्रीष्मकालीन मूंग को एमएसपी पर खरीदने का निर्णय लिया था। अधिसूचना में कहा गया है कि यह उन फसलों के अतिरिक्त है जिनकी खरीद पहले से की जा रही है, जिनमें धान, बाजरा, खरीफ मूंग, उड़द, अरहर, गेहूं और सरसों शामिल हैं। पांच अक्टूबर को हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार करते हुए सत्तारूढ़ भाजपा ने कहा था कि एमएसपी का निर्णय किसानों के कल्याण के लिए सरकार के कई उपायों का हिस्सा है।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 628 अंक चढ़ा, निफ्टी 23,800 के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। निचले स्तरों पर खरीदारी और वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच प्रमुख शेयर सूचकांकों सेंसेक्स और निफ्टी में सोमवार को शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी रही। इस तरह बाजार में पिछले पांच कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट का सिलसिला थम गया। बड़े शेयरों में खरीदारी से भी बाजार को समर्थन मिला।

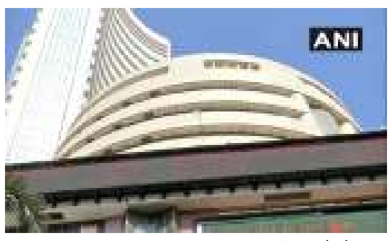

इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 628.34 अंक उछलकर 78,669.93 पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 219 अंक बढ़कर 23,806.50 पर थी। सेंसेक्स के शेयरों में बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एक्सिस बैंक में उल्लेखनीय बढ़त हुई। इससे पहले पिछले पांच दिनों में बीएसई सेंसेक्स 4,091.53 अंक या 4.98 फीसदी टूटा और निफ्टी 1,180.8 अंक या 4.76 फीसदी गिर गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 3,597.82 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.47 फीसदी चढ़कर 73.28 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

कार खरीदने के लिए ऑनलाइन माध्यमों की तुलना में परंपरागत डीलरशिप को प्राथमिकताः सर्वेक्षण

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत में अधिकांश कार खरीदार अभी भी परंपरागत डीलरशिप के माध्यम से खरीदारी पसंद करते हैं, जबकि डिजिटल मंच भी तेजी से बढ़ रहे हैं। एक सर्वेक्षण में यह निष्कर्ष सामने आया। अर्बन साइंस के इस सर्वेक्षण में अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, चीन, भारत और मैक्सिको के 9,000 से अधिक लोग शामिल हुए। इस वैश्विक अध्ययन के निष्कर्षों से पता चला कि ज्यादातर भारतीय खरीदार अभी भी मुख्य रूप से पारंपरिक डीलरशिप के माध्यम से वाहन खरीदना पसंद करते हैं। इसमें विश्वास और संबंध महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सर्वेक्षण के अनुसार भारत में 10 में लगभग नौ कार खरीदार परंपरागत डीलरशिप पर जाने के लिए अधिक इच्छुक हैं। उन्हें लगता है कि एक बड़ा वित्तीय निर्णय लेने के लिए यह एक भरोसेमंद तरीका है। सर्वेक्षण के अनुसार डीलरशिप एक ऐसा स्थान देते हैं, जहां विश्वास पैदा होता है, सौदे व्यक्तिगत होते हैं और रिश्ते बनते हैं। डिजिटल मंच एक पूरक भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं और इनमें तेजी से वृद्धि हो रही है। युवा उपभोक्ता शोरूम में जाने से पहले ऑनलाइन जानकारी ले रहे हैं।

बुमराह से बचने का इस पूर्व दिग्गज के पास है उपाय, ऑस्ट्रेलियाई टीम की तरफ बढ़ाया मदद का हाथ

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 26 दिसंबर से बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच खेला जाएगा। अभी तक बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के तहत दोनों टीमों के बीच तीन मैच खेले जा चुके हैं जिसमें अभी तक दोनों टीमें 1–1 की बराबरी पर है। वहीं इस सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए सबसे बड़ा जोखिम जसप्रीत बुमराह रहे हैं। बुमराह ने अभी तक तीनों टेस्ट मैचों में सबसे ज्यादा विकेट झटके हैं। बुमराह के खिलाफ जहां ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बेबस नजर आए हैं वहीं पूर्व क्रिकेटर सामन कैटिच ने अपनी टीम के बल्लेबाजों के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है। कैटिज ने मेजबान टीम को सलाह दी है कि वे बुमराह के खिलाफ सफल होने के लिए स्ट्राइक रोटेट करने और मजबूत डिफेंस पर ध्यान लगाएं। कैटिच ने कहा कि बुमराह शायद ही कभी ढीली गेंद फेंकते हैं इसलिए ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को अपने पॉइंट ऑफ व्यू और स्ट्रैटजी पर काम करना चाहिए। कैटिच ने एसईएन 1116 से कहा कि, मुझे पता है कि सभी बातें ज्यादा पॉजिटिव इरादे के बारे में हैं और मुझे लगता है कि ये सब ठीक है और ये निश्चित रूप से कुछ ऐसा है जिसका उन्हें ध्यान रखना चाहिए। लेकिन बुमराह जैसे खिल़ाी के खिलाफ इरादा सिर्फ उन्हें चौके मारने के बारे में नहीं है क्योंकि वह बहुत खराब गेंद नहीं फेंकता। उन्होंने कहा कि, इसलिए उस इरादे का एक बड़ा हिस्सा स्ट्राइक रोटेट करने और बहुत अच्छे डिफेंस में सक्षम होना चाहिए क्योंकि अगर आप दसवें ओवर के बाद वहां नहीं हैं तो आप किसी भी इरादे से नहीं खेल पाएंगे। ये इन सभी खिलाड़ियों के लिए चुनौती है।

मेलबर्न में जब पिछली बार उतरे थे विराट कोहली तो मचाई थी तबाही, फैंस को एक और बड़ी पारी का इंतजार

मेलबर्न, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 26 दिसंबर से मेलबर्न में चौथा टेस्ट खेला जाएगा। पांच मैचों की सीरीज तीन मैचों के बाद फिलहाल 1–1 से बराबर है। पर्थ में खेला गया मुकाबला भारत ने 295 रन से जीता था, जबकि एडेलिड में दूसरे डे–नाइट टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से जीत हासिल की थी। इसके बाद गाबा में तीसरा टेस्ट ड्रॉ रहा। अब चौथा टेस्ट जो कि एक बॉक्सिंग डे टेस्ट है, उसमें दोनों टीमें बढ़त लेने उतरेंगी। मेलबर्न में जब पिछली बार विराट कोहली मैदान पर उतरे थे तो उन्होंने तबाही मचाई थी और पाकिस्तान के खिलाफ एक असंभव जीत दिलाई थी। यह मुकाबला दो साल पहले टी20 विश्व कप 2024 के दौरान खेला गया था। तब विराट ने पाकिस्तान के खिलाफ 53 गेंद में नाबाद 82 रन बनाकर भारत को असंभव सी जीत दिलाई थी। तब मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर जमा 90 हजार से ज्यादा दर्शकों की जुबां पर एक ही नाम था...विराट कोहली । इतिहास की सर्वश्रेष्ठ पारियों में दर्ज इस पारी से उन्होंने अपने आलोचकों को भी करारा जवाब दिया था। दो साल बाद प्रारूप अलग है, लेकिन हालात वही। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले मैच में पर्थ में शतक जमाने के बाद बाकी पांच पारियों में कोहली 26 रन ही बना सके हैं, लेकिन उनके फैस को यकीन है कि अपने पसंदीदा मैदान एमसीजी पर उनका बल्ला चलेगा। मेलबर्न में उनकी लोकप्रियता का आलम यह है कि टूर गाइड से लेकर सुरक्षाकर्मियों तक, सभी की जुबां पर उन्हीं का नाम है। एमसीजी पर ऑस्ट्रेलियाई खेल संग्रहालय के टिकट काउंटर पर पहुंचते ही कोहली की तस्वीरों से ही सामना होता है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर 2018–19 में पहली बार सीरीज जीतने के बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी को चूमते हुए और एमसीजी पर तीसरे टेस्ट में टीम के साथ जश्न मनाते हुए कोहली की तस्वीरें लगी हैं। इसके साथ ही लिखा है कोहलीज कॉन्करर्स (कोहली की विजेता टीम)। ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीतने का भारत का इंतजार 2018–19 में ही खत्म हुआ था। एमसीजी टूर कराने वाले गाइड डेविड एक घंटे के टूर में बार–बार बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी और बॉक्सिंग

डे टेस्ट का जिक्र करते हुए इसे श्ब्लॉकबस्टरश मैच बताते हैं। कोहली का जिक्र उनकी बातों में बार–बार आता है। हालांकि, उनके अपने पसंदीदा भारतीय क्रिकेटर शानदार फॉर्म में चल रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं। डेविड ने कहा, श्यह ऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़ा टेस्ट है और भारत–ऑस्ट्रेलिया मुकाबले से ज्यादा रोमांचक क्या हो सकता है। मुझे इसका बेताबी से इंतजार है। हम उम्मीद करते हैं कि विराट का बल्ला यहां नहीं चले। पर्थ में रहने वाली गुजरात की सलोनी खास तौर पर मेलबर्न टेस्ट देखने क्रिसमस की छुट्टियों में यहां आई हैं। उन्होंने कहा, शपहली बार मैंने पर्थ में स्टेडियम में टेस्ट देखा और बहुत खुशी है कि विराट ने उस मैच में शतक जमाया था। बाकी मैचों को लेकर काफी रोमांचित हूं। मेलबर्न में बहुत अच्छा मैच होने वाला है। मुझे विराट की आक्रामकता बहुत पसंद है। मैदान पर उन्हें देखने में मजा आता है। उनकी फिटनेस का जवाब नहीं है। कोहली ने पहला बॉक्सिंग डे टेस्ट 2011 में खेला था और सातवें नंबर पर उतरकर पहली पारी में 11 रन बनाए थे और दो कैच भी लपके थे। दूसरी पारी में वह खाता नहीं खोल सके। फिर 2014 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 169 रन बनाए थे और अजिंक्य रहाणे के साथ 262 रन की साझेदारी की थी। दूसरी पारी में भी 54 रन बनाकर उन्होंने मैच ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई थी।

2018 में पिछली बार मेलबर्न में टेस्ट खेले थे कोहली

ऑस्ट्रेलिया में पिछली बार कोहली ने कोई बॉक्सिंग डे टेस्ट 2018 में खेला था। तब मेलबर्न में कप्तान कोहली ने पहली पारी में इस मैदान पर 82 रन बनाए थे, लेकिन दूसरी पारी में खाता नहीं खोल सके थे। उस मैच में उन्होंने मिचेल मार्श और एरोन फिंच के कैप लपके थे। बुमराह ने नौ विकेट लेकर भारत की 137 रन से जीत की नींव रखी और बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में 2–1 की बढ़त दिलाने में मदद की थी। कोहली दुनिया के दूसरे सबसे बड़े मैदान पर अब तक तीन टेस्ट में 52.66 की औसत से 316 रन बना चुके हैं जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। भारत के लिए एमसीजी पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सचिन तेंदुलकर (10 मैचों में 449 रन) से वह 133 रन और रहाणे (छह मैचों में 369 रन) से 53 रन पीछे हैं।

मेलबर्न भारत के लिए भाग्यशाली रहा

कोहली के साथ ही भारतीय टीम के लिए भी एमसीजी टेस्ट में भाग्यशाली मैदान रहा है। इसी मैदान पर 1978 में भारत ने पहली बार ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर 222 रन से जीत दर्ज की थी और भागवत चंद्रशेखर ने उस मैच में 12 विकेट लिए थे। सीरीज जीतने के लिए भारत को 71 साल इंतजार करना पड़ा और कोहली की कप्तानी में यहीं पर 2018–19 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया में पहली बार टेस्ट सीरीज जीती थी।

भारतीय टीम में 20 विकेट लेने की क्षमता बहुत अच्छी नहीं है : चेतेश्वर पुजारा

पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया का दौरा कर रही भारतीय टीम का गेंदबाजी आक्रमण उतना मजबूत नहीं है जो वह एक टेस्ट मैच में 20 विकेट ले सके तथा यह बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के अंतिम दो मैच में टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय होगा। मेलबर्न,एजेंसी। चेतेश्वर पुजारा ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया का दौरा कर रही भारतीय टीम का गेंदबाजी आक्रमण उतना मजबूत नहीं है जो वह एक टेस्ट मैच में 20 विकेट ले सके तथा यह बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के अंतिम दो मैच में टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय होगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैच की श्रृंखला अभी 1द्1 से बराबर है। अगले दो टेस्ट मैच मेलबर्न और सिडनी में खेले जाएंगे। भारत अभी तक गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह कर बहुत अधिक निर्भर रहा है। उन्होंने लाल और गुलाबी गेंद से अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त सहयोग नहीं मिल पा रहा है। पुजारा ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, ''मेरा सबसे बड़ा सवाल और थोड़ी चिंता का कारण यह है कि भारतीय गेंदबाजी थोड़ी कमजोर दिख रही है।'' उन्होंने कहा, ''बल्लेबाजी थोड़ी बेहतर है भले ही चोटी के पांच बल्लेबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं लेकिन मध्यक्रम और निचले मध्यक्रम के बल्लेबाज जैसे कि रविंद्र जडेजा और नीतीश रेड्डी तथा यहां तक कि बुमराह और आकाशदीप भी बल्ले से अपना योगदान दे रहे हैं।'' पुजारा ने कहा, ''अब जबकि गेंदबाजी कमजोर है तो फिर टीम संयोजन क्या होगा। यह सबसे बड़ा सवाल है क्योंकि आप नीतीश को बाहर नहीं कर सकते, जडेजा को बाहर नहीं कर सकते, तो फिर टीम का संयोजन क्या होगा।'' इस बल्लेबाज को लगता है कि नीतीश रेड्डी और रविंद्र जडेजा चौथे और पांचवें गेंदबाज की भूमिका अच्छी तरह से नहीं निभा पा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''रविचंद्रन अश्विन ने संन्यास ले लिया है और मुझे नहीं लगता कि हम मेलबर्न में दो स्पिनर के साथ उतरेंगे। ऐसे में आप अपनी गेंदबाजी को कैसे मजबूत करेंगे। क्योंकि तीनों तेज गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन चौथे और पांचवें गेंदबाज के रूप में नीतीश और जडेजा से उन्हें पर्याप्त सहयोग नहीं मिल रहा है। अगर आप इन दोनों को जोड़ कर देखते हैं तो गेंदबाजी बहुत अच्छी नजर नहीं आती है।'' पुजारा ने कहा, ''हमें इस पर विचार करना होगा क्योंकि अगर आप टेस्ट मैच जीतना चाहते हैं तो आपको 20 विकेट लेने होंगे तथा हमारी 20 विकेट लेने की क्षमता अच्छी नहीं है।

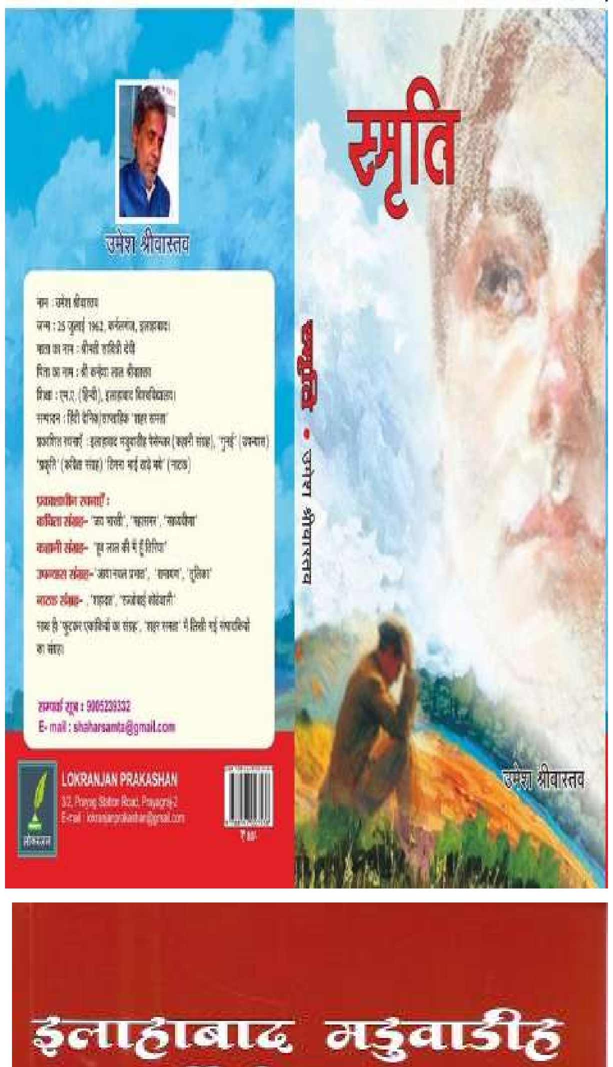

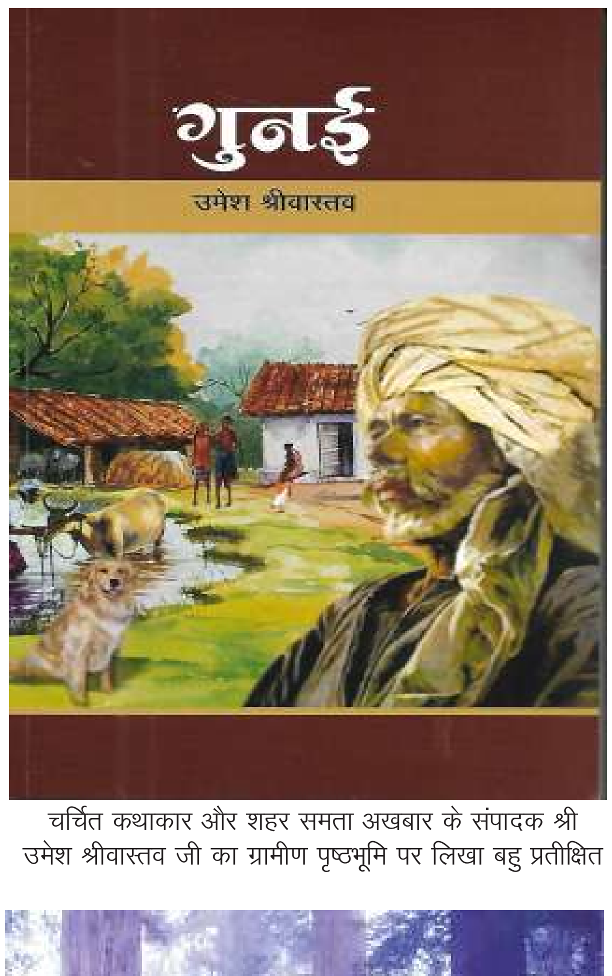

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

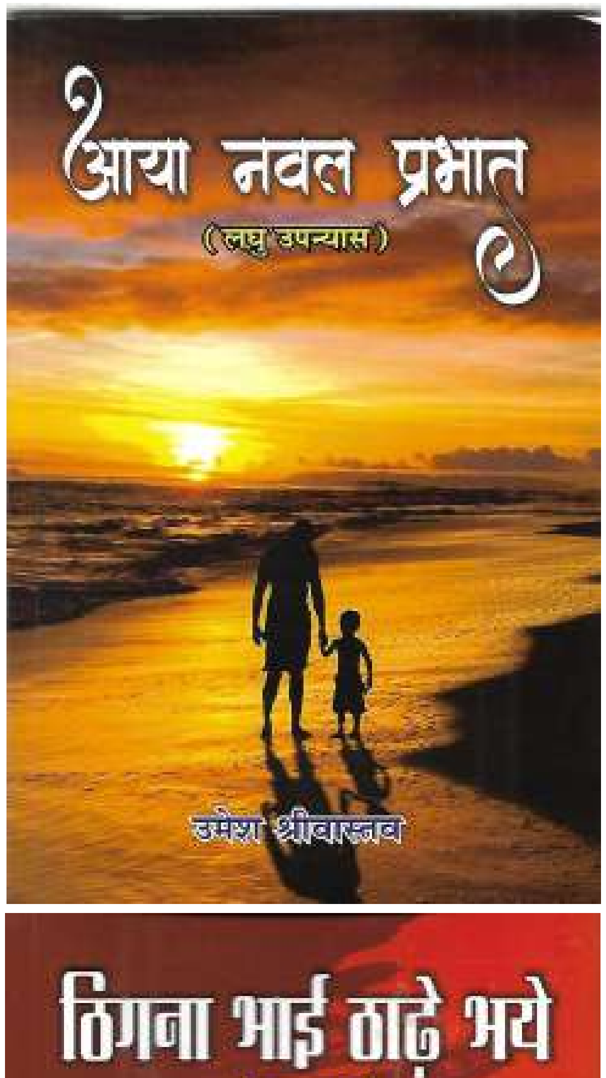

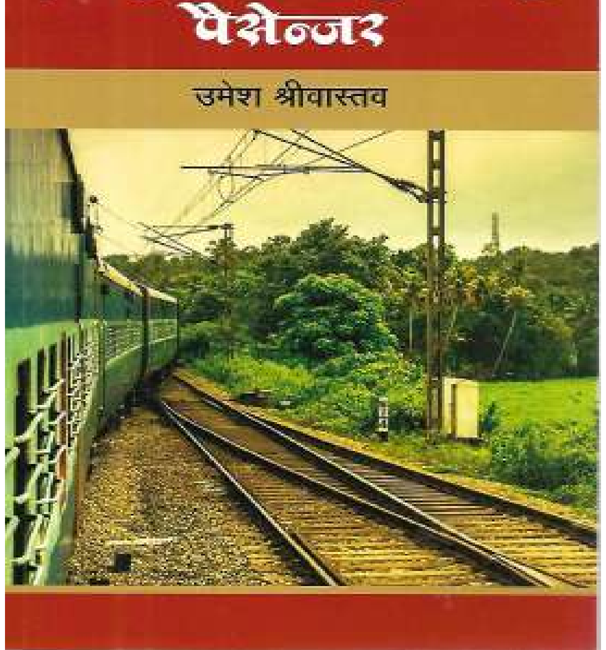

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

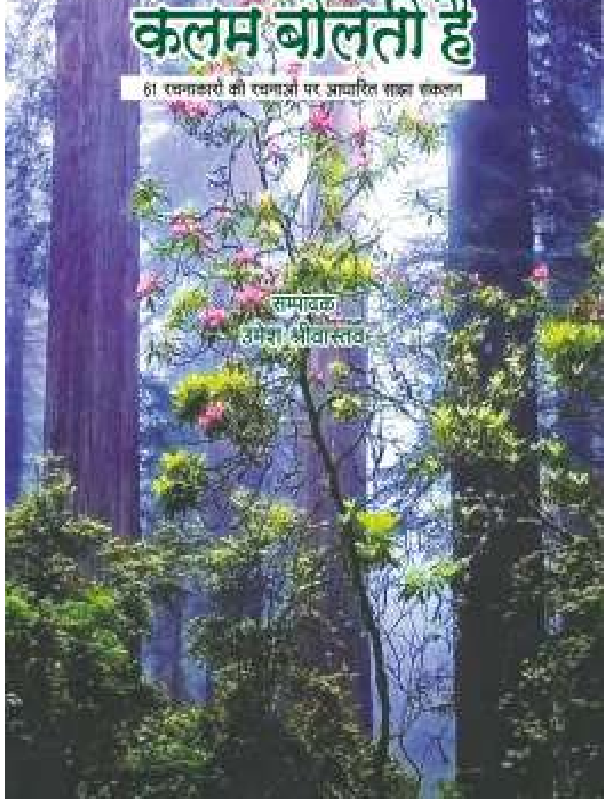

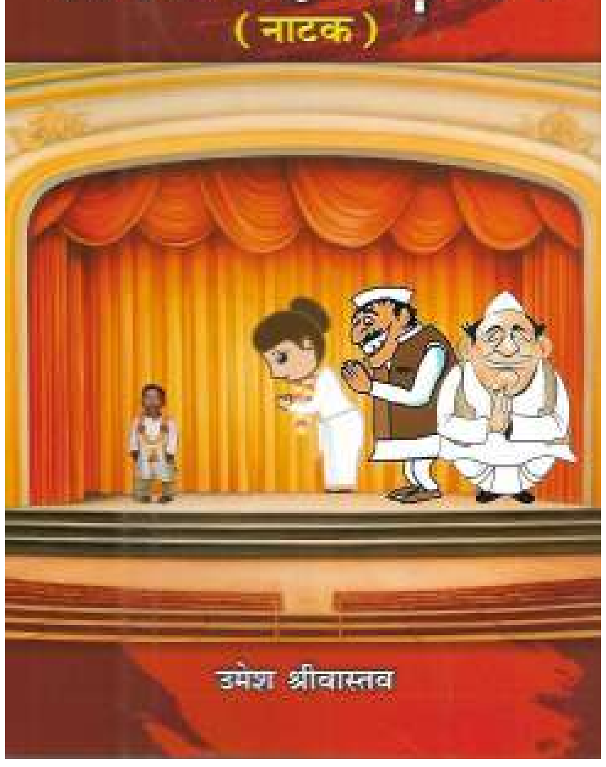

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

चीनी सेना ने पेंटागन रिपोर्ट की निंदा की, कहा कि इसमें चीन के खतरे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है

बीजिंग, एजेंसी। चीनी सेना ने पेंटागन की हाल की उस रिपोर्ट की निंदा की है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि भ्रष्टाचार के कारण पीएलए का आधुनिकीकरण बाधित हो रहा है। रिपोर्ट में चीनी सेना की "निंदा" की गई है तथा चीन द्वारा उत्पन्न सैन्य खतरे को "बढ़ा-चढ़ाकर" पेश किया गया है। हाल ही में जारी की गई अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, चीनी रक्षा मंत्रालय ने वाशिंगटन पर पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के खिलाफ "झूठा विमर्श गढ़ने" का आरोप लगाया। रक्षा प्रवक्ता झांग शियाओगांग ने शनिवार को कहा कि रिपोर्ट में "चीन की

रक्षा नीतियों की गलत ढंग से व्याख्या की गई है, चीन की सैन्य क्षमता विकास के बारे में अटकलें लगाई गई हैं, चीन के घरेलू मामलों में खुलेआम हस्तक्षेप किया गया है, चीनी सेना की निंदा की गई है और चीन द्वारा उत्पन्न तथाकथित सैन्य खतरे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है।" सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने झांग के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा कि चीन इन सभी बयानों की "कड़ी निंदा करता है और इनका दृढ़ता से विरोध करता है।" झांग ने कहा कि 20 वर्षों से अधिक समय से अमेरिका साल-दर-साल ऐसी भ्रामक रिपोर्टें प्रकाशित करता रहा है। उन्होंने कहा, "हम अमेरिका से आग्रह करते हैं कि वह झूठा विमर्श गढ़ना बंद करे, चीन के बारे में गलत धारणा रखना बंद करे तथा द्विपक्षीय और सैन्य संबंधों को स्थिर बनाने के लिए प्रयास करे।" चीन के परमाणु हथियारों को लेकर झांग ने कहा कि इसका उद्देश्य देश की सुरक्षा करना है। लेकिन अमेरिका, जिसके पास दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे उन्नत परमाणु शस्त्रागार है, परमाणु हथियारों के पहले इस्तेमाल की नीति पर अड़ा हुआ है। जिससे अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई की कि अमेरिका चीन और चीनी सेना के प्रति अधिक सकारात्मक और तर्कसंगत रवैया अपनाएगा तथा चीनी और अमेरिकी सेनाओं के बीच ऐसे संबंध बनाएगा, जिसमें संघर्ष या टकराव शामिल न हो, बल्कि खुलेपन, व्यावहारिकता और सहयोग को बढ़ावा मिले। पेंटागन की 165 पृष्ठों की विस्तृत रिपोर्ट में चीनी सैन्य आधुनिकीकरण समेत कई मुद्दों का जिक्र किया गया है तथा कहा गया है कि भ्रष्टाचार चीन के आधुनिकीकरण को प्रभावित कर रहा है।

संक्षिप्त

पाकिस्तान सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी से बातचीत के लिए समिति गठित की

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की अगुवाई वाली पीटीआई पार्टी के साथ औपचारिक वार्ता शुरू करने के लिए एक समिति का गठन किया। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है, जब पीटीआई ने सविनय अवज्ञा आंदोलन की धमकी दी है। सरकारी बयान के अनुसार, समिति में उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इशाक

डार, प्रधानमंत्री के राजनीतिक सहयोगी राणा सनाउल्लाह, शिक्षा मंत्री खालिद मकबूल सिद्दीकी, निजीकरण मंत्री अलीम खान, धार्मिक मामलों के मंत्री चौधरी सालिक हुसैन और सांसद इरफान सिद्दीकी शामिल हैं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने बातचीत के लिए सरकारी समिति के गठन का स्वागत किया और इसे "सकारात्मक कदम" बताया। पीटीआई के चेयरमैन गौहर अली खान ने कहा, "हम समिति के गठन को एक रचनात्मक कदम मानते हैं। सकारात्मक इरादों पर आधारित सार्थक बातचीत होनी चाहिए।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संभावित वार्ता के लिए एक निश्चित समयसीमा होनी चाहिए। गौहर अली ने यह भी कहा कि स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए वार्ता सकारात्मक रूप से आगे बढ़नी चाहिए।

लेबनान के प्रमुख राजनेता सीरिया पहुंचे, असद के बाद बिगड़े संबंधों में सुधार की उम्मीद

बेरूत, एजेंसी। लेबनान के एक प्रमुख राजनेता ने विद्रोहियों से बातचीत की और दोनों पक्षों ने आपसी संबंधों के एक नए युग की उम्मीद जताई। सीरिया में विद्रोहियों द्वारा तख्तापलट कर राष्ट्रपति बशर असद को सरकार से बाहर करने के बाद लेबनान के किसी प्रमुख राजनेता का यह पहला दौरा है। ड्रूज नेता वालिद जम्ब्लैट लेबनान में सीरिया की भागीदारी के लंबे समय से आलोचक रहे थे और उन्होंने दशकों पहले अपने पिता की हत्या के लिए असद के पिता व पूर्व राष्ट्रपति हाफिज असद को दोषी ठहराया था। असद परिवार के 54 वर्ष के शासन के खत्म होने के बाद से सीरिया का दौरा करने वाले जम्ब्लैट प्रमुख लेबनानी राजनेता हैं। उन्होंने अहमद अल-शरा के साथ बातचीत की। अहमद अल-शरा को पहले अबू मोहम्मद अल-गोलानी के नाम से जाना जाता था और जिसने सुन्नी इस्लामिक विद्रोहियों का नेतृत्व किया था। इस विद्रोही गुट ने इस महीने की शुरुआत में दमिश्क में प्रवेश किया और असद को सत्ता से बाहर कर दिया। लेबनान के ड्रूज अल्पसंख्यक समुदाय के एक प्रमुख व्यक्ति और वामपंथी पार्टी के पूर्व नेता जम्ब्लैट ने कहा, "हम सीरियाई लोगों को उनकी महान जीत के लिए सलाम करते हैं और हम आपको उस लड़ाई के लिए भी सलाम करते हैं, जो आपने 50 वर्ष से अधिक समय तक उत्पीड़न और अत्याचार से छुटकारा पाने के लिए लड़ी।" उन्होंने उम्मीद जताई कि लेबनान-सीरियाई संबंध 'सामान्य' होंगे। अल-शरा ने असद सरकार का हवाला देते हुए कहा, "सीरिया समस्याओं और अशांति का स्रोत था और लेबनान के मामलों में उसका हस्तक्षेप नकारात्मक था।" उन्होंने कहा, "सीरिया अब लेबनान में नकारात्मक हस्तक्षेप नहीं रहेगा और वह लेबनान की संप्रभुता का सम्मान करेंगे।"

दक्षिण कोरिया के कार्यवाहक राष्ट्रपति पर महाभियोग का खतरा मंडराया

दक्षिण कोरिया की मुख्य विपक्षी पार्टी ने धमकी दी कि यदि वह राष्ट्रपति यून सुक येओल की मार्शल लॉ लागू करने की असफल कोशिश की विशेष वकील जांच शुरू करने के लिए एक कानून की घोषणा करने में विफल रहे तो कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू पर महाभियोग चलाया जाएगा। प्रधानमंत्री हान ने निलंबित यून से पदभार संभाला है, जिन पर 14 दिसंबर को महाभियोग लगाया गया था और उन्हें पद से हटाने के लिए संवैधानिक न्यायालय की समीक्षा का सामना करना पड़ रहा है। संसद में बहुमत के साथ, विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने रूढ़िवादी यून के खिलाफ विद्रोह के आरोपों को आगे बढ़ाने और लक्जरी बैग घोटाले और अन्य आरोपों पर उनकी पत्नी की जांच करने के लिए एक विशेष वकील नियुक्त करने के लिए इस महीने एक विधेयक पारित किया। पार्टी, जिसने हान पर यून के मार्शल लॉ प्रयास में सहायता करने का आरोप लगाया है और पुलिस को उसकी सूचना दी है, ने कहा कि अगर मंगलवार तक कानून लागू नहीं किया गया तो वह कार्यवाहक राष्ट्रपति के खिलाफ तुरंत महाभियोग की कार्यवाही शुरू करेगी। डेमोक्रेटिक पार्टी के फ्लोर नेता पार्क चान-डे ने एक पार्टी बैठक में कहा, ष्ट्री से पता चलता है कि प्रधान मंत्री का संविधान का पालन करने का कोई इरादा नहीं है, और यह स्वीकार करने के समान है कि वह विद्रोही के लिए प्रॉक्सी के रूप में काम कर रहे हैं। हान एक टेक्नोक्रेट हैं जिन्होंने रूढ़िवादी और उदार राष्ट्रपतियों के तहत 30 वर्षों तक दक्षिण कोरियाई राजनीति में नेतृत्व की भूमिका निभाई है। यून ने उन्हें 2022 में प्रधान मंत्री नियुक्त किया। टिप्पणी के लिए हान के कार्यालय से तुरंत संपर्क नहीं किया जा सका। उन्होंने पहले कहा था कि उन्होंने यून की मार्शल लॉ घोषणा को रोकने की कोशिश की थी, लेकिन ऐसा करने में विफल रहने के लिए माफी मांगी। पार्क ने यून पर बार-बार अदालती दस्तावेजों को स्वीकार करने से इनकार करके संवैधानिक न्यायालय की सुनवाई में बाधा डालने का भी आरोप लगाया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

ब्रिटेन ने खालिस्तानियों को ब्रिटेन का आश्वासन

भारतीय एजेंसियों के उत्पीड़न के आरोपों पर कहा- हम धमकियों को बर्दाश्त नहीं करते

ब्रिटेन के सुरक्षा राज्य मंत्री डैन जार्विस ने कहा है कि विदेशी देशों द्वारा ब्रिटिश नागरिकों को डराने या परेशान करने का कोई भी प्रयास स्वीकार नहीं किया जाएगा। यह टिप्पणी ब्रिटेन में रहने वाले कई सिखों द्वारा यह आरोप लगाए जाने के बाद आई है कि उन्हें भारत सरकार द्वारा या उसकी ओर से निशाना बनाया जा रहा है। इसी तरह के आरोप कनाडा और अमेरिका में सिख संगठनों द्वारा लगाए गए हैं, जिन्हें या तो खालिस्तानी संगठन माना जाता है। इस तरह के दावों को भारत सरकार ने अतीत में खारिज कर दिया है। जार्विस ने खालिस्तानी संबद्धता वाले संगठन सिख फेडरेशन को पत्र लिखा और उन्हें सुरक्षा का आश्वासन दिया। द गार्जियन

की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह ब्रिटेन के हवाई अड्डों पर भारत सरकार से जुड़े अधिकारियों द्वारा पूछताछ किए जाने की सिखों की शिकायतों के जवाब में है। हम धमकी या जीवन के लिए धमकियों को बर्दाश्त नहीं करते हैं, और अपनी खुफिया एजेंसियों और पुलिस बलों के माध्यम से लोगों को सुरक्षित रखने के लिए हमारे पास मौजूद सभी उपकरणों का उपयोग करना जारी रखेंगे। किसी भी विदेशी शक्ति द्वारा व्यक्तियों या समुदायों को डराने, परेशान करने या नुकसान पहुंचाने का कोई भी प्रयास ब्रिटेन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह पत्र 10 दिसंबर को लिखा गया था, और द गार्जियन द्वारा इसकी सूचना 19 दिसंबर को ही दी गई थी। कथित तौर पर इन सिखों से भारत के बारे में उनके विचारों के बारे में पूछताछ की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, जार्विस ने आगे कहा कि इस तरह की धमकियों और धमकी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। किसी देश के लिए यह असामान्य नहीं होना चाहिए कि वह वहां यात्रा करने वालों से देश के बारे में उनके विचारों के बारे में सवाल करे। सिख, जिनकी संख्या 535,000 है, ब्रिटिश जनसंख्या का 0.8: हैं। भारत के पूर्व विदेश सचिव और कैरियर राजनयिक कंवल सिब्बल ने जार्विस को बुलाया और कहा कि यह खालिस्तानी आतंकवादियों को पनाह देने की ब्रिटेन की सामान्य प्रथा के अनुरूप है।

ब्रिटेन बन रहा इस्लामी फैसलों का बड़ा केंद्र, चल रहीं 85 शरिया अदालतें

ब्रिटेन शरिया अदालतों के लिएपश्चिमी राजधानी के रूप में उभर रहा है, पूरे देश में 85 इस्लामी परिषदें हैं। इन धार्मिक निकायों का अत्यधिक प्रभाव है, और पूरे यूरोप और उत्तरी अमेरिका के मुसलमान विवाह और पारिवारिक मामलों पर फैसले की मांग कर रहे हैं। द टाइम्स, यूके के अनुसार, नेशनल सेक्युलर सोसाइटी ने एक समानांतर कानूनी प्रणाली के अस्तित्व के बारे में चिंता व्यक्त की है। पहली शरिया परिषद की स्थापना 1982 में हुई थी। शरिया परिषदें निकाह मुताह या आनंद विवाह और विवादास्पद महिला विरोधी विचारों को भी बढ़ावा दे रही हैं। ग्रेट ब्रिटेन और उत्तरी आयरलैंड की इस्लामिक शरिया काउंसिल, पूर्वी लंदन के लेयटन में स्थित है, और एक पंजीकृत चैरिटी है जो निकाह (विवाह) सेवाएं, तलाक (पति द्वारा शुरू की गई) और खुला (पत्नी द्वारा शुरू की गई) तलाक प्रक्रियाएं प्रदान करती है। एक ऐसा एप्लिकेशन भी है जहां इंग्लैंड और वेल्स में रहने वाले मुसलमानों द्वारा इस्लामी कानून बनाए जा सकते हैं। एप्लिकेशन में, पुरुष ड्रॉप-डाउन मेनू से चुन सकते हैं कि उनकी कितनी पत्नियाँ हैं, जो एक से चार तक होती हैं। द टाइम्स, यूके की रिपोर्ट के अनुसार, इसे शरिया अदालत ने भी मंजूरी दे दी है। ब्रिटेन की इन शरिया अदालतों में इस्लामी विद्वानों के पैनल शामिल हैं, जिनमें अधिकतर पुरुष हैं। वे अनौपचारिक निकायों के रूप में कार्य करते हैं और तलाक और विवाह से संबंधित अन्य मामलों पर धार्मिक निर्णय जारी करते हैं। धर्मशास्त्री और प्रोफेसर मोना सिद्दीकी ने कहा कि शरिया 7वीं शताब्दी से 13वीं शताब्दी तक पैगंबर मोहम्मद के समय के इस्लामी विद्वानों की राय पर आधारित न्यायशास्त्र है। आंकड़ों के अनुसार, ब्रिटेन में लगभग 100,000 इस्लामी विवाह हुए हैं और इन्हें नागरिक अधिकारियों के साथ पंजीकृत नहीं किया गया है। इस्लामी विवाहों के लिए भी विघटन के नियमों की आवश्यकता होती है, विशेषकर उन महिलाओं के लिए जो तलाक के लिए धार्मिक परिषद की मंजूरी चाहती हैं। द टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकांश मुस्लिम देशों ने शरिया में संशोधन किया है, लेकिन विवाह और तलाक के मामले में वे शास्त्रीय फैसलों को स्वीकार करते हैं। पत्नी के अनुरोध पर तलाक देने का आधार यह है कि यदि पति उसे तलाक देने को तैयार नहीं है, तो यह प्रक्रिया सिविल कार्यवाही से काफी अलग है। नेशनल सेक्युलर सोसाइटी, एक संगठन जो धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देता है, ने ब्रिटेन में एक समानांतर कानूनी प्रणाली की उपस्थिति के बारे में अपनी चिंताओं को बताया।

ब्राज़ील में विमान क्रैश होने से दस लोगों की मौत, दर्जनों हुए घायल, मरने वाले एक ही परिवार के लोग थे

ब्राजील के पर्यटक शहर ग्रामाडो में एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से 10 लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन लोग घायल हो गए। ब्राजील की नागरिक सुरक्षा एजेंसी के अनुसार, विमान में सवार सभी 10 यात्री और चालक दल के सदस्य मारे गए हैं और जमीन पर एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए हैं। नागरिक सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि रविवार की सुबह एक परिवार के दस सदस्यों की मौत हो गई, जब उनका छोटा विमान दक्षिणी ब्राज़ील के ग्रामाडो शहर में एक वाणिज्यिक जिले में जा घुसा। अधिकारियों ने पहले मरने वालों की संख्या नौ बताई थी। पुलिस ने एएफपी को पुष्टि की कि विमान, पाइपर चेयेन 400 टर्बोप्रॉप था, जिसे लुइज़ क्लाउडियो साल्गुएरो गैलेज़ी नामक एक व्यवसायी उड़ा रहा था, और यात्री सभी उसके परिवार के सदस्य थे।

रियो ग्रांडे डो सुल राज्य सुरक्षा सचिवालय ने एक बयान में कहा कि विमान कैनेला के नज़दीकी शहर से उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया, एक इमारत की चिमनी से टकराया और फिर एक घर से टकराकर एक फर्नीचर की दुकान पर जा गिरा। इसमें कहा गया कि एक सराय भी क्षतिग्रस्त हो गई। राज्य नागरिक पुलिस के क्लेबर डॉस सैंटोस लीमा ने एएफपी को बताया, विमान में कोई भी जीवित नहीं बचा है। जमीन पर कम से कम 17 लोग घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर है, जबकि कई अन्य का इलाज धुएं के कारण किया गया। ब्राजील की नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा विमान ने एक घर की चिमनी और फिर एक इमारत की दूसरी मंजिल को टक्कर मारी और फिर ग्रामाडो के बड़े पैमाने पर आवासीय इलाके में एक मोबाइल फोन की दुकान से जा टकराया। जमीन पर मौजूद एक दर्जन से अधिक लोगों को धुएं के कारण चोट लगने के कारण अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई गई है। यह तुरंत स्पष्ट नहीं है कि दुर्घटना किस कारण से हुई। एक X उपयोगकर्ता @O&patriota2 ने लिखा भीषण शहर शोक में है, ग्रामाडो में हमने जो कुछ भी झेला और अपने पैरों पर खड़े होने की कोशिश कर रहे थे, उसके बाद यह त्रासदी सामने आई है। च्-छक्छ पंजीकरण वाला विमान जो ग्रामाडो में |अ. ब्मदजतंस पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ, उसने पूरे शहर को सदमे में डाल दिया, इसमें 9 लोग सवार थे। भगवान इस अपूरणीय क्षति के लिए परिवारों को सांत्वना दे। स्थानीय मीडिया ने बताया कि यात्री एक ही परिवार के सदस्य थे और रियो ग्रांडे डो सुल राज्य के दूसरे शहर से साओ पाउलो राज्य की यात्रा कर रहे थे।

अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत से लाल सागर में हुई बड़ी चूक, हूतियों को समझकर अपने ही लड़ाकू विमान को मार गिराया

अमेरिकी नौसेना ने बहुत बड़ी गलती कर दी है। यमन के हूतियों के खिलाफ एक अभियान के तहत अमेरिकी नौसेना ने अपने ही लड़ाकू विमान को हवा में मार कर गिरा दिया। पहले नौसेना ने समझा कि यह हूतियों का फाइटर प्लेन है, लेकिन जब वह नीचे गिरा तो उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ। दोनों एविएटर अपने दो सीटों वाले एफ/ए-18 विमान से बाहर निकलने के बाद जीवित बरामद किए गए, जबकि एक को मामूली चोटें आईं। लेकिन गोलीबारी इस बात को रेखांकित करती है कि लाल सागर गलियारा कितना खतरनाक हो गया है, क्षेत्र में अमेरिकी और यूरोपीय सैन्य गठबंधन के गश्त के बावजूद ईरानी समर्थित हौथिस द्वारा शिपिंग पर लगातार हमले हो रहे हैं। गोलीबारी की घटना के समय अमेरिकी सेना ने यमन के हूती विद्रोहियों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए थे, हालांकि अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड ने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया कि पायलटों का मिशन क्या था। सेंट्रल कमांड ने कहा कि मार गिराया गया एफ/ए-18 विमान वाहक पोत यूएसएस हैरी एस ट्रूमैन के डेक से अभी-अभी उड़ा था। 15 दिसंबर को, सेंट्रल कमांड ने स्वीकार किया कि ट्रूमैन ने मध्य पूर्व में प्रवेश किया था, लेकिन यह निर्दिष्ट नहीं किया था कि वाहक और उसका युद्ध समूह लाल सागर में थे। सेंट्रल कमांड ने एक बयान में कहा, गाइडेड-मिसाइल क्रूजर यूएसएस गेटीसबर्ग, जो यूएसएस हैरी एस ट्रूमैन कैरियर स्ट्राइक ग्रुप का हिस्सा है, ने गलती से फायर किया और एफ/ए-18 को टकरा गया। सेना के विवरण के अनुसार, जिस विमान को मार गिराया गया वह दो सीटों वाला एफ/ए-18 सुपर हॉर्नेट फाइटर जेट था, जिसे वर्जीनिया के नेवल एयर स्टेशन ओशियाना के स्ट्राइक फाइटर स्क्वाड्रन 11 के रेड रिपर्स को सौंपा गया था। जबकि सेंट्रल कमांड दोनों को पायलट के रूप में संदर्भित करता है, आमतौर पर दो सीटों वाले एफ/ए-18 में एक पायलट और एक हथियार अधिकारी होता है।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री फिको से की वार्ता

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रविवार को क्रेमलिन में स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के साथ वार्ता की। फरवरी 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से यूरोपीय संघ में शामिल किसी देश के नेता की मॉस्को की यात्रा सामान्य बात नहीं है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने रूस की समाचार एजेंसी 'आरआईए' को बताया कि फिको यात्रा पर रूस पहुंचे और रविवार शाम को पुतिन से आमने-सामने मुलाकात की। पेस्कोव के अनुसार, वार्ता "अंतरराष्ट्रीय स्थिति" और रूसी प्राकृतिक गैस की आपूर्ति पर केंद्रित रही। मॉस्को द्वारा यूक्रेन में सेना भेजे जाने के बाद से यूरोपीय नेताओं का पुतिन से मिलना और फोन पर बात करना काफी कम हो गया है। हालांकि हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान ने जुलाई में रूस की यात्रा की थी। ओरबान की यात्रा की यूक्रेन और यूरोपीय संघ के नेताओं ने निंदा की थी। यूक्रेन युद्ध के बारे में फिको के विचार अधिकांश अन्य यूरोपीय नेताओं से बिल्कुल भिन्न हैं। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री पिछले साल सत्ता में वापस लौटे थे, जब उनकी वामपंथी पार्टी 'स्मेर' ने रूसी समर्थन और अमेरिकी विरोधी का मुद्दा बनाकर संसदीय चुनाव जीता था। तब से उन्होंने यूक्रेन के लिए अपने देश की सैन्य सहायता समाप्त कर दी है। फिको ने रूस पर यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों की आलोचना की और यूक्रेन को नाटो में शामिल होने से रोकने का संकल्प लिया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक
(तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,करैलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।